हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 71, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 8 सितम्बर, 2023 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

भारत व आसियान के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए पीएम मोदी ने रखा 12 सूत्री प्रस्ताव

व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा भविष्य की दिशा तय करने पर व्यापक की चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद जैसी समकालीन चुनौतियों से निपटने और रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के साथ डिजिटल परिवर्तन, व्यापार और आर्थिक जुड़ाव जैसे क्षेत्रों में भारत-आसियान सहयोग को मजबूत करने के लिए गुरुवार को 12 सूत्री प्रस्ताव पेश किया। मोदी ने इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में यहां 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन) के महासचिव डॉ काओ किम होर्न ने भी शिखर सम्मेलन में भाग लिया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि शिखर सम्मेलन में दो संयुक्त बयानों जिनमें एक समुद्री सहयोग और दूसरा खाद्य सुरक्षा से संबंधित है उन्हें भी स्वीकार किया गया।

इसमें कहा गया है कि शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान भागीदारों के साथ आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा भविष्य की दिशा तय करने पर व्यापक चर्चा की। प्रधानमंत्री ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आसियान की केंद्रीयता की फिर से पुष्टि की और भारत के हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) और आसियान के हिंद-प्रशांत पर दृष्टिकोण (एओआईपी) के बीच तालमेल पर प्रकाश डाला। उन्होंने आसियान-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा समयबद्ध तरीके से पूरी करने की जरूरत पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने भारत-आसियान सहयोग को मजबूत करने के लिए 12 सूत्री प्रस्ताव पेश किया जिसमें कनेक्टिविटी, डिजिटल परिवर्तन, व्यापार और आर्थिक जुड़ाव, समकालीन चुनौतियों का समाधान, लोगों से लोगों के बीच संपर्क और रणनीतिक जुड़ाव को गहरा करना शामिल है।

बयान में कहा गया है कि प्रस्ताव के तहत, भारत ने दक्षिण-पूर्व एशिया-भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप को जोड़ने वाले एक बहु-मोडल कनेक्टिविटी और आर्थिक गलियारे की स्थापना का आह्वान किया और आसियान भागीदारों के साथ भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैक को साझा करने की पेशकश की। प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल परिवर्तन और फाइनेंशियल कनेक्टिविटी की दिशा में सहयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिजिटल भविष्य के लिए आसियान-भारत कोष की भी घोषणा की। 12 सूत्री प्रस्ताव के तहत प्रधानमंत्री ने आतंकवाद, आतंकवाद के वित्तपोषण और साइबर सूचनाओं के खिलाफ सामूहिक लड़ाई का आह्वान किया। प्रस्ताव के हिस्से के रूप में उन्होंने आसियान और पूर्वी एशिया के आर्थिक और अनुसंधान संस्थान (ईआरआईए) को दिए जाने वाले समर्थन के नवीकरण की घोषणा की ताकि वह नॉलेज पार्टनर के रूप में कार्य कर सके।

बयान में कहा गया है कि उन्होंने बहुपक्षीय मंचों पर ग्लोबल साउथ के सामने आने वाले मुद्दों को सामूहिक रूप से उठाने का आह्वान किया। उन्होंने आसियान देशों को भारत में डब्ल्यूएचओ की आरे से स्थापित किए जा रहे ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए व्यक्तिगत और सामुदायिक कार्रवाई को आगे बढ़ाने के लिए भारत के नेतृत्व वाले वैश्विक जन आंदोलन मिशन एलआईएफई पर मिलकर काम करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने जन-औषधि केंद्रों के माध्यम से लोगों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं प्रदान करने में भारत के अनुभव को साझा करने की भी पेशकश की।

ठाणे में बिस्तर से गिरी 160 किलो की महिला, उठाने के लिए दमकल विभाग को बुलाना पड़ा

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे में एक 160 किलो वजन वाली बीमार महिला अपने बिस्तर से गिर गई और उसे उठाने के लिए उनके परिवार वालों को दमकल विभाग से मदद लेनी पड़ी। वाघविल इलाके में रहने वाली 62 वर्षीय महिला जो बीमार होने के कारण बाहर आना-जाना नहीं कर सकती है। वह गुरुवार को सुबह के आठ बजे अपने बिस्तर से गिर गई थी। परिवार वालों ने उन्हें उठाने की कोशिश की, लेकिन बिस्तर पर उठाकर नहीं रख पाए। अंत में परिवार वालों ने दमकल विभाग को इस घटना की जानकारी दी। सूचना पाकर दमकल विभाग मौके पर पहुंचा और उन्होंने महिला को उठाकर बिस्तर पर बैठाया। हालांकि, इस घटना के दौरान महिला को कोई चोट नहीं लगी। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन ने इस घटना का जिक्र करते हुए बताया कि उनके पास कई फोन कॉल आते हैं, लेकिन यह घटना असामान्य थी।

जकार्ता में पीएम मोदी को देखने उमड़ी भारी भीड़, 'वी लव मोदी' के नारों से गूंज उठा शहर

जकार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार सुबह इंडोनेशिया के जकार्ता पहुंचे। जैसे ही वह जकार्ता हवाईअड्डे के बाहर आए वैसे ही प्रवासी भारतीयों की भीड़ लग गई। सभी ने पीएम का गर्मजोशी से स्वागत किया। पूरा शहर मोदी-मोदी और भारत माता के जयकारों से गूंज उठा। दरअसल, पीएम मोदी 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन का हिस्सा बनने के लिए जकार्ता गए हैं। वह गुरुवार करीब साढ़े चार बजे जकार्ता पहुंचे, जहां उनका स्वागत सिर्फ बड़े ही नहीं बल्कि, बूढ़ों और बच्चों ने भी किया।

शान से लहरा रहे थे तिरंगा– पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे लोग शान से तिरंगा लहरा रहे थे। पीएम मोदी ने भी प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की और हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। लोगों का कहना है कि पीएम मोदी के इंडोनेशिया आने से बहुत खुशी मिली है।

सांस्कृतिक नृत्य करके स्वागत– इसके बाद पीएम मोदी जकार्ता के होटल पहुंचे, जहां पर भारतीय और इंडोनेशियाई समुदाय के लोगों ने सांस्कृतिक नृत्य करके उनका स्वागत किया। पीएम मोदी से हाथ मिलाने के लिए हर कोई उत्सुक था। वहीं, पीएम ने भी होटल में एकत्र हुए प्रवासी भारतीयों का अभिवादन किया।

वी लव मोदी– इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने और उनके स्वागत करने को लेकर इंडोनेशियाई समुदाय के लोगों में भी अलग चमक देखने को मिली। लोगों ने कहा कि हम इंडोनेशिया से हैं, लेकिन भारत से प्यार करते हैं। हम पीएम मोदी से मिलने और इंडोनेशिया में उनका स्वागत करने के लिए उत्साहित हैं। इस दौरान WE LOVE MODI यानी हम पीएम मोदी से प्यार करते हैं के नारे लगे।

यादगार अनुभव– वहीं, सांस्कृतिक नृत्य से पीएम मोदी का स्वागत किया गया। प्रवासी भारतीयों ने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत के लिए नृत्य करने का मौका मिला। यह हमारे लिए बहुत अच्छा अनुभव था। उन्हें देखना वाकई अच्छा है। यह हम सभी के लिए एक यादगार अनुभव है।

पूरे देश में जन्माष्टमी की धूम, राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी ने देशवासियों को कृष्ण जन्मोत्सव की बधाई दी

नई दिल्ली। पूरे देश में जन्माष्टमी का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिरों में भगवान श्री कृष्ण के दर्शन करने के लिए भक्त सुबह से ही लाइनों में लगे हुए हैं। कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा से लेकर देशभर के इस्कॉन मंदिरों में ठाकुर जी की मंगला और तुलसी आरती शुरू हो गई है। इस बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशवासियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर ट्वीट करके कहा, "मैं सभी देशवासियों को जन्माष्टमी के पावन पर्व की बधाई देती हूं। जन्माष्टमी का त्योहार हमें भगवान श्रीकृष्ण के गीता के उपदेश को समझने, अमल में लाने और निष्काम कर्म करने की प्रेरणा देता है। भगवान श्रीकृष्ण ने पूरी मानवता को धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया है। आइए, इस शुभ अवसर पर हम जन-कल्याण की भावना के साथ आगे बढ़ें और अपने समाज और राष्ट्र को समृद्ध बनाएं।"

पीएम मोदी ने बधाई दी– इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को जन्माष्टमी की बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर कहा, "जन्माष्टमी की बहुत-बहुत बधाई। श्रद्धा और भक्ति का यह पावन अवसर मेरे सभी परिवारजनों के जीवन में नई ऊर्जा और नए उत्साह का संचार करे, यही कामना है। जय श्रीकृष्ण!" बाजारों में लोग भगवान कृष्ण और राधा के श्रंगार से संबंधित सामानों की जमकर खरीददारी कर रहे है। गुरुवार रात 12 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान मथुरा स्थित भागवत के मंदिर में दूध-दही से अभिषेक होगा। इस पल को आंखों से निहारने के लिए लाखों श्रद्धालु दूर-दूर से पहुंचने लगे हैं। बुधवार को दोपहर बाद जन्मस्थान के आसपास की सड़कों पर केवल आस्थावान ही दिखाई दिए। दस लाख के आसपास श्रद्धालु देर रात तक धर्म नगरी में पहुंच चुके थे।

भारत के बाद जापान ने किया मून मिशन लॉन्च, ब्रह्मांड की उत्पत्ति के बारे में जुटाएगा जानकारी

टोक्यो। भारत के चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अन्य देश भी अब चांद पर पहुंचने के लिए इसरो की राह पर है। अब चांद पर जाने के लिए जापान ने कदम बढ़ा लिया है। आज सुबह जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जापान एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) ने अपना मून मिशन मून स्नाइपर लॉन्च किया। तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से H-IIA रॉकेट के जरिए यह लॉन्चिंग की गई। जापानी अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा लॉन्च किया जाने वाले मून मिशन में रॉकेट एक लैंडर को ले जाएगा, जिसके चार से छह महीने में चंद्रमा की सतह पर पहुंचने की उम्मीद है। वहीं, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने 'स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून' (एसएलआईएम) के सफल लॉन्च पर जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी (जेएएक्सए) को गुरुवार को बधाई दी। अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने कहा कि वैश्विक अंतरिक्ष समुदाय के एक और सफल चंद्र मिशन के लिए बहुत-बहुत बधाई। बता दें, जापान की अंतरिक्ष एजेंसी को पिछले महीने एक हफ्ते में तीन बार अपना यह मिशन टालना पड़ा था। इसके पीछे का कारण खराब मौसम था। बार-बार खराब मौसम के चलते जापानी अंतरिक्ष एजेंसी को मून मिशन की लॉन्चिंग की

तारीख को बदलना पड़ा, लेकिन आखिरकार जापान ऐसा करने में सफल रहा। तनेगाशिमा अंतरिक्ष केंद्र से H-IIA (एच2ए) रॉकेट के जरिए यह लॉन्चिंग की गई। जापानी एयरोस्पेश एक्सप्लोरेशन एजेंसी (JAXA) द्वारा लॉन्च किया जाने वाले मून मिशन मून स्नाइपर में रॉकेट एक लैंडर को ले जाएगा। इसके चार से छह महीने में चंद्रमा की सतह पर पहुंचने की उम्मीद है।

केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर के आवास से बंटी के निकलने के एक मिनट बाद विनय को मारी गई थी गोली

लखनऊ। केंद्रीय राज्यमंत्री के दुबग्गा स्थित आवास से शुक्रवार तड़के चार बजकर सात मिनट पर अरुण प्रताप सिंह उर्फ बंटी के निकलते ही ठीक एक मिनट बाद विनय श्रीवास्तव की गोली मार कर हत्या कर दी जाती है। उधर, पुलिस की बनाई थ्योरी पर विनय के परिवारीजन ने सवाल उठा दिए। जिससे अबतक विनय की हत्या का राज खुल नहीं सका। हत्या का सारा राज एक मिनट में उलझकर रह गया है। इस कारण बंटी के हत्या में शामिल होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। सीसी कैमरे में दिख रहा है कि विनय तड़के 4:08 बजकर कुछ सेकेंड में ड्राइंग रूम में पहुंचता है। फिर किसी के आवाज देने पर वह वापस कमरे में जाता है, तभी उसे गोली मार दी जाती है। गोली की आवास जुनकर ड्राइंग रूम में रात डेढ़ बजे से सो रहा अजय रावत चौक कर उठता है और वह सीधे कमरे में अंदर भागता है। इसके बाद भी घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना क्यों नहीं दी?

हत्यारोपित ने अंकित वर्मा ने दी थी घटना की जानकारी– केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर को हत्यारोपित ने अंकित वर्मा ने सूचना दी थी। वहीं, कौशल किशोर ने पुलिस को करीब साढ़े चार बजे दी। जिसके बाद दुबग्गा पुलिस मौके पर पहुंची। फिर घटनास्थल ठाकुरगंज का होने के कारण ठाकुरगंज पुलिस पहुंची। इंस्पेक्टर ठाकुरगंज विकास राय ने बताया कि सीसी फुटेज समेत सभी बिंदुओं की पड़ताल की जा रही है। आर्म्स एक्ट में आरोपित विकास किशोर के बयान दर्ज हो चुके हैं। विवेचना अभी जारी है।

संविधान में भी सनातन का सम्मान, नेहरू और अम्बेडकर के भी हस्ताक्षर; उदयनिधि मामले में भाजपा का कांग्रेस पर वार

नई दिल्ली। डीएमके नेता और तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि द्वारा सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयान के बाद राजनीति गरमाई हुई है। भाजपा डीएमके नेता और सीएम स्टालिन को घेरने पर लगी है। इस बीच अब भाजपा नेता

रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस और I.N.D.I.A पर हमला बोला है।

सनातन धर्म का मूल संविधान में भी सम्मान– 'सनातन धर्म' विवाद पर बोलते हुए भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि भारतीय संविधान में भगवान राम, कृष्ण, अर्जुन, नटराज और हनुमान की तस्वीरें हैं और डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जवाहरलाल नेहरू, बीआर अम्बेडकर और अन्य लोगों के उस पर हस्ताक्षर भी हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म' को संविधान में भी सम्मान दिया गया है।

कांग्रेस पर बोला हमला– भाजपा नेता ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि राहुल और सोनिया गांधी को उदयनिधि के साथ जूनियर खरगे के बयान पर भी अपनी चुप्पी तोड़नी होगी। उन्होंने कहा कि नेहरू का हर बात में जिक्र करने वालों को ये जानना होगा कि संविधान पर जवाहरलाल नेहरू के भी हस्ताक्षर हैं।

गिरिराज ने भी बोला हमला– भाजपा नेता गिरिराज सिंह ने भी उदयनिधि के बयान पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष अब कुछ बोलने को तैयार नहीं है। राहुल, नीतीश और लालू से देश का सनातन पाई-पाई का हिसाब लेगा और उनको चुप्पी तोड़नी ही होगी।

आदित्य एल-1 ने अंतरिक्ष से लीं चांद और पृथ्वी की शानदार तस्वीरें, इसरो ने कहा- ताकाझांकी करने वाला

नई दिल्ली। भारत के पहले सौर मिशन आदित्य एल-1 के सूरज के करीब पहुंचने से पहले इसरो ने इसके कैमरों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। इसी के तहत चार सितंबर को इसरो ने आदित्य एल-1 से पृथ्वी और चांद की दो खूबसूरत तस्वीरें ली हैं। इसरो ने गुरुवार को इन तस्वीरों को साझा किया है। इसरो ने एक्स पर अपने पोस्ट में आदित्य एल-1 को ताकाझांकी करने वाला करार दिया है। इतना ही नहीं आदित्य एल-1 ने अपनी एक सेल्फी भी ली है। वीडियो में इसरो ने इस सेल्फी को भी साझा किया, जिसमें आदित्य एल-1 के वेल्क और सूट को दिखाया गया है। आदित्य एल-1 सूर्य का अध्ययन करने वाला मिशन है। इसके साथ ही इसरो ने इसे पहला अंतरिक्ष आधारित वेधशाला श्रेणी का भारतीय सौर मिशन कहा है। अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंजियन बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित करने की योजना है जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर है। दरअसल, लैग्रेंजियन बिंदु वे हैं जहां दो वस्तुओं के बीच कार्य करने वाले सभी गुरुत्वाकर्षण बल एक-

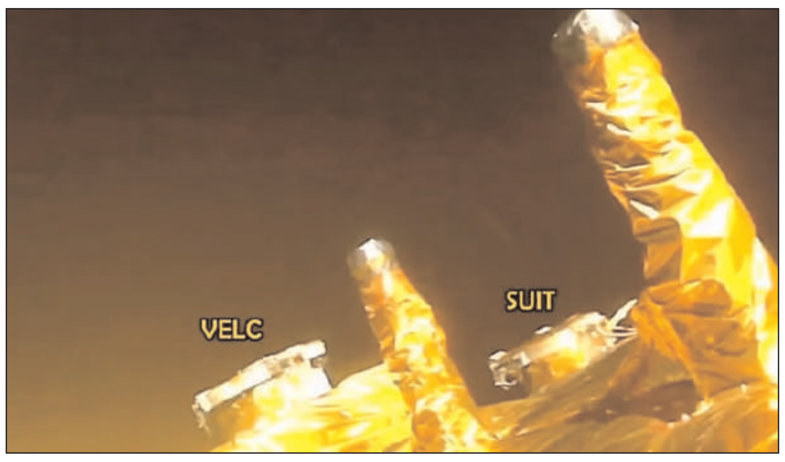

दूसरे को निष्प्रभावी कर देते हैं। इस वजह से एल1 बिंदु का उपयोग अंतरिक्ष यान के उड़ने के लिए किया जा सकता है। भारत का महत्वाकांक्षी सौर मिशन आदित्य एल-1 सौर कोरोना (सूर्य के वायुमंडल का सबसे बाहरी भाग) की बनावट और इसके तपने की प्रक्रिया, इसके तापमान, सौर विस्फोट और सौर तूफान के कारण और उत्पत्ति, कोरोना और कोरोनल लूप प्लाज्मा की बनावट, वेग और घनत्व, कोरोना के चुंबकीय क्षेत्र की माप, कोरोनल मास इजेक्शन (सूरज में होने वाले सबसे शक्तिशाली विस्फोट जो सीधे पृथ्वी की ओर आते हैं) की उत्पत्ति, विकास और गति, सौर हवाएं और अंतरिक्ष के मौसम को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करेगा।

चेकपोस्ट पर तैनात दारोगा के ऊपर चढ़ा दी कार, बिहार में शराब माफिया ने पार की हद

बौंसी (बांका)। शराब की खेप पकड़ने के क्रम में भागलपुर-हंसडीहा मुख्य मार्ग के भलजोर-चेकपोस्ट पर बुधवार की अल सुबह कार चालक ने उत्पाद दारोगा पप्पू पासवान (35) को कुचल दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इलाज के लिए रेफरल अस्पताल से गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए भागलपुर रेफर कर दिया है। चिकित्सकों ने बताया कि उत्पाद दारोगा का एक पैर टूट गया है। इस संबंध में ड्यूटी पर उपस्थित उत्पाद विभाग के सहायक अवर निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि भलजोर चेकपोस्ट पर वाहन जांच के क्रम में झारखंड की तरफ से आ रही एक कार को रुकने का इशारा किया गया। कार से 230 लीटर देश में निर्मित विदेशी शराब बरामद की गई। कार चालक नहीं रुका और उसने लोहे के बैरियर को तोड़ते हुए उत्पाद दारोगा पप्पू पासवान को कुचल दिया। जख्मी हालत में उन्हें रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया। यहां ड्यूटी पर मौजूद डा. ऋषिकेश सिन्हा ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें

भागलपुर रेफर कर दिया है। पुलिस ने भाग रही कार को बौंसी थाना क्षेत्र स्थित गुरुधाम के पास से जब्त कर लिया है। इस क्रम में शराब तस्कर भागने में सफल रहा। बैरियर तोड़ने के कारण कार भी क्षतिग्रस्त हो गई है। कार की जांच करने पर उससे 26 कार्टनों में 229.56 लीटर देश में निर्मित विदेशी शराब जब्त की गई है।

संपादकीय

चीन की कथनी और करनी के बीच एक बड़ा फासला

नई दिल्ली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर चीन ने अपनी जो सदिच्छा जताई है, अगर वह इस पर अमल को लेकर भी गंभीर होता है तो यह एक सकारात्मक पहल होगी। विडंबना यह है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी घोषणाओं और सरोकारों के प्रति चीन को शायद ज्यादा ईमानदार होने की जरूरत है। दरअसल, जी20 शिखर सम्मेलन की कामयाबी के लिए चीन ने सभी पक्षों के साथ मिल कर काम करने को लेकर सहमति जाहिर की है। निश्चित रूप से इस सम्मेलन से पहले चीन की ओर आया संदेश एक उम्मीद जगाता है कि दुनिया के ज्यादातर देश जिस सहयोग और शांति के सपने के साथ एक दूसरे के साथ मिल कर नए रास्ते तैयार करने की कोशिश में लगे हैं, उसमें और मजबूती आएगी। यों चीन का दावा है कि वह जी20 समूह को उच्च महत्त्व देता है और प्रासंगिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेता रहा है। हालांकि इस बार नई दिल्ली में होने वाले आयोजन में पहले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आने की संभावना थी, लेकिन अब वे इसमें शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह वहां के प्रधानमंत्री ली क्विंग चीन की नुमाइंदगी करेंगे। दरअसल, जी20 के सम्मेलन की सफलता को लेकर चीन के संदेश की अहमियत यह जरूर है कि उसने भारत की मेजबानी का समर्थन किया है और सभी के साथ मिल कर काम करने के लिए तैयार होने की बात कही है। लेकिन अगर केवल भारत के लिहाज से ही देखें तो पिछले कुछ समय से चीन ने जैसा रवैया अख्तियार किया हुआ है, वह अपने आप में यही दशार्ता है कि उसकी कथनी और करनी के बीच एक बड़ा फासला है। उदाहरण के लिए हाल ही में संपन्न ब्रिक्स सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री के साथ चीन के राष्ट्रपति के मुलाकात के बाद यह उम्मीद बंधी थी कि सीमा पर नियंत्रण रेखा पर चल रहे विवाद और चीन की अन्य हरकतों पर लगाम लगेगी। लेकिन इसके कुछ ही दिन बाद चीन की ओर से जो ह्यमानक मानचित्रह्ल जारी हुआ, उसमें भारत के भी कुछ इलाकों को उसके भीतर दिखाया गया। इस मसले पर भारत ने तीखी आपत्ति भी जाहिर की। सवाल है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समस्या के हल में सक्रिय सहभागिता करने और शांति की ओर कदम बढ़ाने की बात करते दिखने के कुछ ही दिन बाद उसे अपना रुख पलटने में कोई हिचक क्यों नहीं होती? ऐसे में उसके घोषित सरोकारों पर कितना भरोसा किया जाएगा? गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र में मंगलवार को भारत ने साफ तौर पर कहा कि वैश्विक स्तर पर स्वीकृत आतंकवादियों के लिए वास्तविक, साक्ष्य-आधारित सूची प्रस्तावों को बिना कोई उचित कारण बताए रोकना गैरजरूरी है और जब आतंकवाद की चुनौती से निपटने में सुरक्षा परिषद की प्रतिबद्धता की बात आती है तो इसमें दोहरापन दिखाई देता है। भारत के इस पक्ष का मजबूत आधार है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रतिबंध समितियों की यह कार्यप्रणाली दरअसल सुरक्षा परिषद की ही विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा रही है। समझा जा सकता है कि यह टिप्पणी दरअसल चीन और पाकिस्तान को कठघरे में खड़ा करती है, क्योंकि यह छिपा तथ्य नहीं है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को सूचीबद्ध करने के भारत और उसके सहयोगी देशों के प्रयासों को सुरक्षा परिषद के अहम सदस्य के रूप में चीन ने बार-बार बाधित किया है। यह बेवजह नहीं है कि अब एक ऐसी सुरक्षा परिषद की आवश्यकता पर जोर दिया जा रहा है जो आज संयुक्त राष्ट्र की भौगोलिक और विकासात्मक विविधता को बेहतर तरीके से प्रतिबिंबित करे। जाहिर है, सार्वजनिक मंचों पर चीन जो सदिच्छा जताता है, उस पर उसे ईमानदारी से अमल भी करना चाहिए।

भारत को विश्वकप क्रिकेट प्रतियोगिता में मजबूत स्थिति बनाए रखने की जरूरत

क्रिकेट को बाकी खेलों के मुकाबले ज्यादा अनिश्चितताओं का खेल कहा जाता है। इसके बावजूद क्रिकेट खेलने वाले सभी देशों की टीमें इसमें अपनी आखिरी हद तक जीत की कोशिश करती हैं। खासतौर पर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जीत हासिल करना किसी भी टीम का सपना होता है। लेकिन इसमें बाजी वही टीम मारती है, जो अपने सामने खड़ी होने वाली सभी तरह चुनौतियों का सटीक अंदाजा लगा पाती है। विश्वकप प्रतियोगिताओं में भारतीय क्रिकेट टीम ने अपनी अच्छी साख बनाई है और दुनिया की मजबूत टीमों में शुमार की जाती है। हालांकि अनेक मौकों पर विश्वकप के मैचों में टीम को अपेक्षित कामयाबी नहीं मिली, लेकिन यह मैदान के हालात पर निर्भर है कि उसमें कितना दम दिखाने का मौका मिला। अपनी मजबूत स्थिति और छवि को बनाए रखने के लिए भारत की ओर से हर कोशिश की जाती है और इसी को मद्देनजर रखते हुए टीम का भी चयन किया जाता है। यों मैदान में प्रदर्शन से ही किसी की वास्तविक क्षमता का पता चल पाता है, लेकिन विश्वकप जैसी प्रतियोगिता के लिए चुने गए खिलाड़ियों की टीम को आमतौर पर अनुभव और ऊर्जा की कसौटी पर आंका जाता है। इस लिहाज से देखें तो विश्वकप प्रतियोगिता के लिए मंगलवार को जिस भारतीय टीम की घोषणा की गई, उसमें चुने गए खिलाड़ियों के समीकरण को मैदान में सभी मोर्चों को साधने की कवायद कहा जा सकता है। कप्तानी रोहित शर्मा के पास रहेगी और टीम के उपकप्तान हार्दिक पांड्या होंगे। टीम में पंद्रह खिलाड़ियों को चुना गया है, लेकिन इनमें तीन को हरफनमौला कहा जा सकता है, चार गेंदबाज और सात बल्लेबाज हैं। इस प्रतियोगिता में भारत के सामने जो मुख्य चुनौतियां होंगी, उसके मुताबिक चुनी गई टीम को संतुलित और गहराई के बेहतर संयोजन के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, पिछले एक-दो सालों के दौरान अलग-अलग प्रतियोगिताओं और कुछ देशों के साथ हुए मैचों में बल्लेबाजी और गेंदबाजी के मोर्चे पर जिन खिलाड़ियों ने अपनी क्षमता साबित की और भविष्य में और बेहतर करने की उम्मीद जगाई, उनके टीम में शामिल होने की उम्मीद पहले भी जताई जा रही थी। लेकिन कुछ ऐसे खिलाड़ियों को लेकर आशंका बनी हुई थी, जिनका अनुभव टीम के बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी माना जा रहा था, लेकिन उनके सामने स्वास्थ्य चुनौतियां थीं। मसलन, विकेट कीपर बल्लेबाज केएल राहुल टीम के एक मजबूत स्तंभ के तौर पर देखे जा रहे थे, लेकिन चोट और आपरेशन के बाद वे पिछले करीब छह महीने से अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेल सके थे। अब उनके स्वस्थ होने से टीम में एक बड़ी कमी पूरी होने की उम्मीद बंधी है। फिर श्रेयस अय्यर और जसप्रीत बुमराह ने भी चोट से उबर कर टीम में वापसी की है। इसी तरह, हाल के प्रदर्शन के बजाय विस्फोटक क्षमता के आधार पर सूर्यकुमार यादव को तरजीह दिया गया। दूसरी ओर, कुलदीप, रविंद्र जडेजा और मोहम्मद शमी आदि को गेंदबाजी के मोर्चे की मजबूत ताकत के तौर पर देखा गया है। पिछले दस साल से भारतीय टीम आइसीसी का कोई बड़ा खिताब नहीं जीत पाई है, लेकिन अब उम्मीद की जानी चाहिए कि करीब बारह साल बाद भारतीय टीम के पास विश्वकप जीतने का मौका है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि भारत में क्रिकेट की लोकप्रियता, दर्शक संख्या आदि के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश को खास जगह हासिल है। स्वाभाविक ही दुनिया भर में अपेक्षा की जाती है कि भारतीय टीम विश्वकप के फाइनल में पहुंचे। लेकिन भारत में उम्मीद यह होगी कि टीम विश्वकप जीत कर लाए।

राजस्थान में भाजपा परिवर्तन यात्रा तो निकाल रही है मगर असंतुष्टों का हृदय परिवर्तन नहीं करवा पा रही है

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान भाजपा में आपसी गुटबाजी खुलकर उजागर हो रही है। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित सभी बड़े नेता अपने को फ्रंट में लाने के प्रयास में लगे हुये हैं। वसुंधरा समर्थकों को मानना है कि उनके पास अपनी ताकत दिखाने का अब अंतिम अवसर है। यदि इस बार चूक गए तो फिर मुख्य धारा की राजनीति में पिछड़ जाएंगे। वसुंधरा समर्थक कई विधायकों को तो इस बात का डर भी सता रहा है कि यदि मैडम राजनीतिक रूप से कमजोर होती हैं तो उनकी टिकट भी खतरे में पड़ सकती है। इसीलिए वसुंधरा के सभी समर्थक जोर दे रहे हैं कि मैडम पार्टी आलाकमान से दो टूक बात करें।

पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व भी राजस्थान में भाजपा की फूट को लेकर पूरी तरह सतर्क है। भाजपा आलाकमान जानता है कि राजस्थान भाजपा में सभी नेताओं के अपने-अपने गुट बने हुए हैं। जिसके चलते सभी एक दूसरे की टांग खिंचाई करने में लगे हुए हैं। भाजपा ने अपने प्रादेशिक नेताओं की आपसी खींचतान के चलते ही प्रदेश के चार क्षेत्रों में निकली जाने वाली परिवर्तन संकल्प यात्रा का नेतृत्व किसी भी बड़े नेता को नहीं सौंपा है। भाजपा ने चारों यात्राओं का नेतृत्व सामूहिक रूप से करने का निर्णय लिया है। ताकि यात्रा के बहाने कोई नेता खुद को बड़ा नहीं दिखा सके। यात्रा के संयोजन की जिम्मेदारी पार्टी ने दूसरी पंक्ति के नेताओं को दी है ताकि बिना गुटबाजी के यात्राओं का समापन हो सके।

ऐसे में अब पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, अर्जुन मेघवाल, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया सहित किसी भी अन्य नेता के बीच मुख्यमंत्री बनने की होड़ खत्म हो गई है। अब अगर पार्टी सत्ता में आती है तो शीर्ष नेतृत्व ही तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। भाजपा की ओर से निकाली जाने वाली परिवर्तन यात्रा को लेकर चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने बताया कि भाजपा प्रदेश में आगामी दो सितंबर से परिवर्तन यात्रा की शुरूआत कर चुकी है। यह यात्रा चार अलग-अलग स्थानों और दिशाओं से प्रदेश भाजपा के सामूहिक नेतृत्व में 8,982 किलोमीटर का सफर तय कर प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। परिवर्तन यात्रा के दौरान किसान चौपाल, युवा मोटरसाईकिल रैली, महिलाओं की बैठक और दलित चौपालें भी आयोजित की जा रही हैं। पहली परिवर्तन संकल्प यात्रा दो सितंबर को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में त्रिनेत्र गणेश मंदिर रणथंबौर सवाईमाधोपुर से प्रारंभ हुई। जिसमें भाजपा का प्रदेश नेतृत्व मौजूद रहा। प्रथम परिवर्तन यात्रा 18 दिनों में 1847 किलोमीटर चलकर भरतपुर संभाग, जयपुर संभाग एंव टोंक जिले की 47 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा के संयोजक भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुवेर्दी व सह संयोजक भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जितेन्द्र गोठवाल हैं। दूसरी परिवर्तन यात्रा तीन सितंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में बेणेश्वर धाम डूंगरपुर से प्रारंभ हुई। दूसरी यात्रा 19 दिनों में 2433 किलोमीटर चलकर उदयपुर संभाग, कोटा संभाग और भीलवाडा जिले की कुल 52 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा का संयोजक प्रदेश उपाध्यक्ष चुन्नीलाल गरासिया को व सह संभाग प्रभारी प्रमोद सांभर सह संयोजक के दायित्व का निर्वहन करेंगे। तीसरी परिवर्तन यात्रा चार सितंबर को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में रामदेवरा जैसलमेर से प्रारंभ हुई। यह यात्रा 18 दिनों में 2574 किलोमीटर चलकर जोधपुर संभाग, अजमेर व नागौर जिले की कुल 51 विधानसभा क्षेत्रों में जायेगी। इस यात्रा का संयोजक राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत को बनाया गया है। जोधपुर सह-संभाग प्रभारी सांवलाराम देवासी सह-संयोजक होंगे। चौथी परिवर्तन यात्रा पांच सितंबर को केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नेतृत्व में गोगामेडी हनुमानगढ़ से प्रारंभ हुई। यह यात्रा 18 दिनों में 2128 किलोमिटर चलकर बीकानेर संभाग, झुंझुनू, सीकर और अलवर जिले की कुल 50 विधानसभा क्षेत्रों में जाएगी। इस यात्रा का संयोजक पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीआर चौधरी व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण बगडी को सह-संयोजक बनाया गया है।

इन सभी यात्राओं के लिए एक टोली का गठन किया गया है। जिसमें मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी एंव प्रचार-प्रसार सभा के प्रमुख बनाए गए हैं। प्रदेश की गहलोत सरकार के राज में भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण एवं कुशासन के कारण प्रदेश की जनता त्रस्त है। इसलिए कांग्रेस की इस जनविरोधी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए जनता ने संकल्प ले लिया है। विधानसभा चुनाव से पहले निकाली जा रहीं भाजपा की चारों परिवर्तन यात्राओं को केंद्रीय स्तर के नेताओं ने रवाना किया। भाजपा ने किसी एक चेहरे को इन यात्राओं की जिम्मेदारी नहीं दी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि प्रदेश स्तर की यात्राओं में भाजपा आलाकमान ने किसी भी स्थानीय नेता को जिम्मेदारी क्यों नहीं दी? इसका मुख्य कारण कारण पार्टी में व्याप्त गुटबाजी को माना जा रहा है। किसी एक नेता के चेहरे को आगे करने से पार्टी के अन्य नेता नाराज हो सकते हैं। इससे बचने के लिए पार्टी ने यह कदम उठाया है। पार्टी आलाकमान नहीं चाहता कि चुनाव से पहले किसी तरह के मतभेद सामने आएं। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी आलाकमान ने उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। इससे राजे और उनके समर्थक नाराज बताए जा रहे हैं। परिवर्तन यात्रा को लेकर भी पार्टी ने राजे को कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं दी है। इससे पहले हुए भाजपा के कई कार्यक्रमों में राजे शामिल नहीं हुईं थीं। कुछ दिनों पूर्व गंगापुरसिटी में अमित शाह के कार्यक्रम में भी वसुंधरा राजे शामिल नहीं हुयीं जबकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला उस कार्यक्रम में उपस्थित थे। हालांकि वह परिवर्तन यात्रा में शामिल हुईं। भाजपा आलाकमान विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चेहरा बना रहा है। मगर पार्टी के अंदरखाने मची जंग पर अभी तक नियंत्रण नहीं कर पाया है। वसुंधरा राजे के दो बार मुख्यमंत्री रहने से उनका आज भी लोगों पर काफी प्रभाव है। यदि पार्टी आलाकमान चुनाव में उनकी उपेक्षा करेगा तो यह पार्टी के लिए घाटे का सौदा भी साबित हो सकता है। फिलहाल वसुंधरा राजे अभी चुप्पी साधे हुए हैं तथा सही समय का इंतजार कर रही हैं।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत की विकास दर का बढ़ना उत्साहजनक बात है

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

इसमें कोई दो राय नहीं कि विपरीत हालातों के बावजूद देश की आर्थिक विकास दर के आंकड़े लगातार उत्साह जनक सामने आ रहे हैं। खास बात यह है कि चालू वित्तीय वर्ष के पहली तिमाही के आंकड़े आशा से अधिक बेहतर रहने के साथ ही पिछले वित्तीय वर्ष की चारों तिमाही से अधिक रहे हैं। यह सब तो तब है जब दुनिया के देश अभी आर्थिक संकट के दौर से ही गुजर रहे हैं। पड़ोसी पाकिस्तान के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं तो अन्य देशों की अर्थ व्यवस्था भी हालातों से जूझ रही है। दरअसल कृषि क्षेत्र बड़ा सहारा बन कर उभर कर आता रहा है। हालांकि आने वाली तिमाही कृषि क्षेत्र के लिए अनुकूल इसलिए नहीं मानी जा सकती कि देश में मानसून धोखा देता दिखाई दे रहा है। देष के अधिकांश हिस्सों में मानसून के आंकड़े निराशाजनक आ रहे हैं। यह सर्वविदित है कि खरीफ की फसल लगभग पूरी तरह मानसून पर निर्भर करती है और मानसून ने जिस तरह से अगस्त माह में बेरुखी दिखाई है उससे कृषि जगत में निराशा आई है। मौसम विज्ञानियों की मानें तो सितंबर माह में भी मानसून के जो संकेत मिल रहे हैं वह निराशाजनक ही आ रहे हैं। किसानों की ललाट पर चिंता की रेखा साफ दिखाई दे रही है। अब तो मानसून की बेरुखी से सरकार भी चिंता में आ गई है।

दरअसल कृषि क्षेत्र इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि देश में सर्वाधिक रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही आते हैं तो कृषि क्षेत्र ने भारतीय अर्थ व्यवस्था को बड़ा सहारा दिया है। कोरोना काल में कृषि क्षेत्र ने अर्थ व्यवस्था ही नहीं बल्कि देश के लोगों खासतौर से गरीब लोगों को जो राहत दी है वह अतुलनीय रही है। आज भी देश के गोदाम अन्न धन से भरे हैं तो देश कम से कम अन्नधन को लेकर तो बेफ्रिक है। हालांकि कृषि क्षेत्र के लिए चुनौती भरा समय आ गया है पर देश के अन्नदाता की मेहनत पर सबको भरोसा है। दरअसल चालू वित वर्ष की पहली तिमाही के जो आंकड़े एनएसओ ने जारी किए हैं वह उत्साहवर्द्धक हैं। जारी आंकड़ों के अनुसार जून 23 तिमाही में कृषि क्षेत्र में मूल्य सवंर्द्धन 3.5 फीसदी रहा है जो एक साल पहले की इसी अवधि के 2.4 प्रतिशत से कहीं अधिक है। यह परिणाम समग्र प्रयासों से ही संभव हो सके हैं। समग्र रूप से देखा जाए तो अप्रैल-जून तिमाही जीडीपी में वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही है हालांकि आरंभिक अनुमान 8 प्रतिशत से नीचे रहने के बावजूद अर्थ व्यवस्था के सकारात्मक दिशा में बढ़ने के तो स्पष्ट संकेत हैं ही। देखा जाए तो इस दौरान रियल एस्टेट, फाइनेंस और सर्विस सेक्टर में भी अच्छी विकास दर रही है। अब देश में त्यौहारी सीजन आरंभ हो जाने से यह माना जा रहा है कि दिसंबर तक देश की अर्थ व्यवस्था कुलाचे भरने की स्थिति में रहेगी। बाजार में मांग बढ़ेगी तो इससे उत्पादन और वितरण दोनों ही क्षेत्रों में अर्थ व्यवस्था में उछाल आयेगा। कोराबारियों की मानें तो त्यौहारी सीजन में बाजार और अधिक गुलजार रहेगा और अर्थ व्यवस्था को पंख लगेंगे। हालांकि मानसून की बेरुखी का असर भी देखने को मिल सकता है। ऐसे हालातों में कृषि से इतर अन्य सेक्टरों को बेहतर परिणाम देने होंगे ताकि आर्थिक विकास की दर बनी रहे। थोड़ा चिंतनीय इसलिए अवश्य है कि पहली तिमाही में निर्यात और विनिर्माण क्षेत्र में सुस्ती दिखाई दी है। ऐसे में चुनौतियां और अधिक हो जाती हैं।

हालांकि माना यह जा रहा है कि मानसून की बेरुखी के बावजूद अर्थव्यवस्था पर इसलिए ज्यादा असर नहीं पडना चाहिए क्योंकि सरकार ने खेती किसानी के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए हैं और सिंचाई सुविधा का विस्तार करने से फसलों को बचाया जा सकेगा। हालांकि यह तात्कालिक समाधान ही हैं क्योंकि इसे नकारा नहीं जा सकता कि अर्थ व्यवस्था को मानसून अवश्य प्रभावित करता है। बस उस असर को कम करने के प्रयास हो सकेंगे। विश्व व्यापी खाद्य संकट का असर दुनिया के देशों में सफ दिखाई दे रहा है। हमारे यहां से भी गेहूं और चावल के निर्यात को हतोत्साहित किया गया है। पिछले दिनों टमाटर के भावों की नई ऊंचाइयों को देशवासी देख चुके हैं। टमाटर दो सौ पार तो अदरक को चार सौ का आंकड़ा छूते देखा है। लगभग सभी खाद्य पदार्थों के भावों में तेजी देखने को मिल रही है। रोजमर्रा के खर्च खासतौर से रसोई के खर्च में बढ़ोतरी चिंता का सबब बनती जा रही है। भले ही हमारी आर्थिक विकास दर संभली हुई ही नहीं अपितु बढ़ रही है। पर चिंता के कारण यथावत हैं। जो हालात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखने को मिल रहे हैं उससे अधिक आशा की जानी बेमानी ही होगी। अपितु अर्थ व्यवस्था के क्षेत्र में जो सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं उसे सकारात्मक ही माना जाएगा क्योंकि दुनिया के हालात जस के तस हैं। देश में जहां चुनावों की तैयारी चल रही है वहीं वन नेशन वन इलेक्शन से नई परिस्थितियां आने वाली हैं। चुनावों के बाद सामान्यतः महंगाई बढ़ती ही देखी गई है तो दूसरी और विदेशों के हालात देखें तो रूस यूक्रेन युद्ध समाप्ति के दूर-दूर तक कोई आसार नहीं दिखाई दे रहे हैं। चीन की बौखलाहट सामने है तो अमेरिका और योरोपीय देशों के आर्थिक व राजनीतिक हालात कोई आशाजनक नहीं दिखाई दे रहे हैं। इन सबके बीच प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी गतिविधियों का दौर जारी है। ऐसे में आने वाले दिनों में दुनिया के देशों के आर्थिक हालात को लेकर कोई आशा नहीं की जा सकती। ऐसे में चालू साल की पहली तिमाही में बेहतर विकास दर के बाद अब अधिक चुनौतियां इसलिए सामने आ गई हैं कि मानसून, चुनाव, त्यौहार और अन्य कारण आने वाले दिनों में अर्थ व्यवस्था के लिए चुनौती पूर्ण होंगे और ऐसे में अभी से संभल कर चलना होगा ताकि विकास दर के स्तर को बनाये रखा जा सके। यह सरकार और अर्थशास्त्रियों के सामने बड़ी और गंभीर चुनौती होगी।

'एक देश, एक चुनाव' राष्ट्रीय हित में उठाया गया कदम है, विपक्ष को इसका समर्थन करना चाहिए

सुरेश हिंदुस्तानी

वर्तमान में भारत में ऐसे कई कारण हैं, जो राष्ट्रीय विकास में बाधक बन रहे हैं। इसमें एक अति प्रमुख कारण बार-बार चुनाव होना है। देश में होने वाले चुनावों के दौरान लगने वाली आचार संहिता के चलते सरकार का कामकाज भी प्रभावित होता है। हमारे देश में किसी न किसी राज्य में हर वर्ष चुनाव के प्रक्रिया चलती रहती है। चुनाव के दौरान संबंधित सरकार कोई बड़ा निर्णय नहीं ले सकती। चुनाव होने के कारण राजनीतिक दल हर साल केवल चुनाव जीतने की योजना ही बनाते रहते हैं। इस कारण देश के उत्थान के बारे में योजना बनाने या सोचने का उतना समय भी नहीं मिल पाता, जितना सरकार का कार्यकाल होता है। इसलिए वर्तमान में जिस प्रकार से एक साथ चुनाव कराने की योजना पर मंथन चल रहा है, वह देश को उत्थान के मार्ग पर ले जाने का एक अभूतपूर्व कदम है।

अभी केंद्र सरकार ने देश में एक साथ चुनाव कराने के बारे में प्राथमिक कदम उठाकर प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इसके लिए एक समिति भी बनाई है, जो देश के राजनीतिक दलों और आम जनता से इसके हित और अनहित के बारे में विमर्श करेगी। जब सब ओर से सकारात्मक रुझान मिलेगा, तब यह धरातल पर उतारा जाएगा। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या एक साथ चुनाव कराया जाना उचित है? यकीनन इसका उत्तर यही होगा कि यह ठीक कदम है। लेकिन देश में कुछ राजनीतिक दल संभवतः इसकी गंभीरता को समझ नहीं पा रहे हैं। इस कदम को संकुचित राजनीति के भाव से देख रहे हैं। अगर यह देशभाव के दृष्टिकोण से देखेंगे तो हमें यह कदम अच्छा ही लगेगा।

वर्तमान में केन्द्र सरकार, चुनाव आयोग इस बारे में गंभीरता पूर्वक चिंतन कर रहा है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने एक बार अपने अभिभाषण में भी एक साथ चुनाव कराए जाने पर जोर दिया था। पूर्व राष्ट्रपति ने स्पष्ट कहा था कि बार-बार होने वाले चुनावों से विकास में बाधा आती है, ऐसे में देश के सभी राजनीतिक दलों को एक साथ चुनाव कराने के बारे में गंभीरता से विचार करना चाहिए। सच कहा जाए तो एक साथ चुनाव कराया जाना राष्ट्रीय चिंता का विषय है, जिसे सभी दलों को सकारात्मक दृष्टि से लेना होगा। हम यह भी जानते हैं कि देश के स्वतंत्र होने के पश्चात लम्बे समय तक एक साथ चुनाव की प्रक्रिया चली, लेकिन कालांतर में कई राज्यों की सरकारें अपने कार्यकाल की अवधि को पूरा नहीं कर पाने के कारण हुए मध्यावधि चुनाव के बाद यह क्रम बिगड़ता चला गया और चुनाव अलग-अलग समय पर होने लगे। इसके कारण देश में सरकारी कामकाज की प्रक्रिया तो बाधित होती ही है, साथ ही सरकारी कामकाज को लेकर सक्रिय रहने वाले सरकारी अधिकारी और आम जनता भी ऐसी बाधाओं के चलते निष्क्रियता के आवरण को ओढ़ लेते हैं। यह भी काम में रुकावट का कारण बनती है। इन सभी कारणों के निदान के लिए देश में एक साथ चुनाव कराने के विषय पर सभी राजनीतिक दलों के बीच संवाद बढ़ना चाहिए और इस बारे में आम सहमति बनायी जानी चाहिए।

केंद्र सरकार की मंशा स्पष्ट है, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल इस बारे में क्या राय रखते हैं, यह अभी तक सामने नहीं आ पाया है। हालांकि देश हित के मुद्दे पर विपक्षी राजनीतिक दलों को भी इस बारे में सरकार के रुख का पूरी तरह से समर्थन करना चाहिए। एक साथ चुनाव होने से देश में विकास की गति को समुचित दिशा मिलेगी, जो बहुत ही आवश्यक है। क्योंकि देश में बार-बार चुनाव होने से जहां राजनीतिक लय बाधित होती है, वहीं देश को आर्थिक बोझ भी झेलना पड़ता है। इसलिए एक साथ चुनाव कराए जाने के अच्छे विचार को कैसे अमल में लाया जा सकता है, इसके बारे में गंभीरता पूर्वक चिंतन करना चाहिए। यह कठिन कार्य नहीं हैं, क्योंकि दुनिया के कई देशों ने भी इस प्रकार की नीतियां बनाईं हैं, जिसके अंतर्गत एक साथ चुनाव कराए जाते हैं और वे देश विकास के पथ पर निरंतर रुप से आगे बढ़ते जा रहे हैं, जब ऐसा विदेशों में हो रहा है और भारत में भी ऐसा होता रहा है, तब अब भारत ऐसा क्यों नहीं कर सकता। भारत में ऐसा होना ही चाहिए। जब से देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार आई है, तबसे ही देश में राष्ट्रीय हित की दिशा में अनेक काम किए जा रहे हैं। यह बात भी सही है कि इन कामों का वास्तविक स्वरूप भविष्य में ही सामने आएगा। क्योंकि देश में लम्बे समय से एक मानसिकता बन गई थी कि अब भारत से समस्याओं का निदान संभव ही नहीं है। उस समय सरकारों के संकल्प में कमी दिखाई देती थी।

सरकारें हमेशा इसी उधेड़बुन में लगी रहती थी कि हमारी सरकार कैसे बचे या हमारी सरकार कैसे फिर से बने। इसी कारण कई निर्णय ऐसे भी किए जाते रहे हैं, जिससे देश की विकास की गति बाधित होती गई और स्वतंत्रता के बाद देश को जिस रास्ते पर जाना चाहिए था, उस रास्ते पर न जाकर केवल स्वार्थी राजनीति के रास्ते पर चला गया। जिसके कारण देश ने अनेक उतार चढ़ाव भी देखे हैं। वर्तमान की कई समस्याएं अपने देश की सरकारों की ही देन है। सरकारों ने अपने राजनीतिक स्वार्थ के बजाय देश हित के काम किए होते तो संभवतः देश में इतनी विकराल स्थिति पैदा नहीं होती। मोदी सरकार ने देश की स्थिति को सुधारने के लिए कई अभूतपूर्व निर्णय किए हैं। सरकार ने जो नोट बंदी की थी, उसमें भले ही विपक्षी राजनीतिक दलों ने आलोचना की, लेकिन इसके बाद मोदी सरकार की ख्याति बढ़ती चली गई और लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा को अपेक्षा से ज्यादा सफलता मिली है। यानी साफ शब्दों में कहा जाए तो यही कहना समुचित होगा कि जो कदम विपक्षियों को खराब लगा, वह देश की जनता की नजर में एक दम सही था। मोदी सरकार का एक साथ चुनाव कराने का कदम भी कुछ ऐसा ही है, जिसकी विपक्षी दल तो आलोचना करेंगे ही, लेकिन जनता निश्चित रूप से इसे सही कदम मानकर इसका समर्थन ही करेगी। अगर देश में लोकसभा और राज्यों के चुनाव एक साथ होने पर राजनीतिक दलों की सहमति बनती है तो इससे आम जनता को राहत ही मिलेगी, लेकिन सरकार विरोधी राजनीति करने वाले राजनीतिक दल इस पर क्या कहेंगे। हालांकि देश में जनहित के साथ ही राष्ट्रीय हितों के प्रति सबको समर्थन देना ही चाहिए, क्योंकि राष्ट्रीय हित से बड़ा कुछ हो ही नहीं सकता।

शासन की विकास प्राथमिकताओं एवं विकास कार्यक्रमों के 37 बिंदु/मुख्य मंत्री डैस बोर्ड की समीक्षा बैठक सम्पन्न

चंदौली। जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे की अध्यक्षता में शासन की विकास प्राथमिकताओं एवं विकास कार्यक्रमों के 37 बिंदुओं की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान सड़कों का निर्माण चौड़ीकरण सुदृढ़ीकरण का कार्य लक्ष्य के अनुसार निर्माण कार्य समय अंतर्गत एवं गुणवत्तापूर्ण कराए जाने के निर्देश अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि गड्ढा मुक्ति हेतु सड़कों का सर्वे करा लिया जाए एवं आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। गोवंश आश्रय स्थल तथा टीकाकरण की समीक्षा के दौरान गलत डाटा पाया गया जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुवे शख्त निर्देश देते हुए कहा कि अगली बैठक में डाटा ठीक करते हुवे ही प्रतिभाग करे।जिलाधिकारी ने शत प्रतिशत गोवंश को आश्रय स्थलों में संरक्षित करें पर्याप्त चारा-पानी एवं छाया की व्यवस्था सुनिश्चित रहे। सहभागिता योजना अंतर्गत लाभार्थियों का नियमित एवं समय से भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिए। स्वास्थ्य

विभाग की समीक्षा के दौरान सरकार द्वारा संचालित योजनाओं में मंशानुसार प्रगति न मिलने पर जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि ठोस रणनीति बनाकर अपेक्षित प्रगति प्राप्त करने के निर्देश जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया साथ ही एम्बुलेंस सेवा 108,102 को और बेहतर करने की ठोस रणनीति बनाएं। जिलाधिकारी ने पंचायती राज विभाग की स्वच्छ भारत मिशन फेज टू, की समीक्षा करते हुए व्यक्तिगत शौचालय की प्रगति धीमी पाई गई। जिन ग्रामों में अभी भी शौचालय नहीं बने हैं, उनको चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर व्यक्तिगत शौचालय बनवाया जाना सुनिश्चित करे। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत लक्ष्य के सापेक्ष सड़कों का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस की शिकायतों का समय के अंतर्गत निस्तारण पूरी गंभीरता से गुणवत्ता पूर्ण ढंग से करना सुनिश्चित करें। बार-बार निर्देश के बाद भी अब डिफाल्टर श्रेणी की शिकायतें या सी श्रेणी का निस्तारण की शिकायत मिली तो कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री एसएन श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अंजुमन गुलजार ए मुहम्मदी के तत्वधान में चेहलूम शोहदय करबला का जुलूस निकाला गया

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गुरुवार को इमामबारगह वक्फ उम्मे लैला बीबी मोहल्ला नुरुद्दीनपुरा गाजीपुर से सुबह 5 बजे इमाम हुसैन के चालीसवे के सिलसिले से हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी जुलूस निकाला गया। जिसकी नकाबत मौलाना शबाब हैदर साहब जलालपुरी ने किया जिसमे उन्होंने करबला के शहीदों की याद में निकलने वाले जुलूस अलम मुबारक अमारियां जुल्जनाह और ताबूत इमाम हुसैन का परिचय कराया जिसके बाद जुलूस अपने पराचीन मार्गो नई सब्जी मंडी एम ए एच इंटर कालेज राजदेपुर रोजा तिराहा होते हुए मिश्राबाजार तिराहा पहुचा जहा पर हसन रजा हैदरी साहब ने तकरीर किया और उसके बाद रोजा फातमान जुलूस पहुंचा वहां पर तकरीर हुई उसके पश्चात जुलूस बड़े इमामबाड़े वा छोटे इमामबाड़े पहुंचा जहा पे शिया धर्म गुरु मौलाना तनवीर उल हसन साहब ने तकरीर करते हुए बताया कि करबला में इमाम हुसैन की शहादत के बाद अहले हरम को बंधक बनाकर कूफा और शाम बाजार से गुजरते हुए एक वर्ष तक अपने कैद में रखा उसके बाद जब रिहाई हुई तो अहले हरम इमाम हुसैन और उनके साथियों का चेहलम करने करबला पहुंचे और मजारों पे पहोच कर अपने अपने वारिसों का मातम किया।

संक्षिप्त खबरें

352 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, नि:शुल्क वितरण की गई दवाएं

प्रखर शाहगंज जौनपुर। सरकार द्वारा चलाये जा रहे राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे अधीक्षक डाक्टर रफीक फारूकी, डाक्टर अमित सिंह,डाक्टर संजीव यादव, डाक्टर जमाल खान, डाक्टर हरिओम मौर्य, डाक्टर आशीष यादव, एवं मुख्यालय से आये डाक्टर रामप्रकाश,डाक्टर विकास कुमार सिंह, डाक्टर पंकज की देख रेख में 352 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाएं वितरण की गई।एवं 352 मरीजों में से 40 मानसिक रोगी चिन्हित कर उनका उपचार किया गया।एवं 8 मरीजो को दिव्यांग में रजिस्टर्ड किया गया। उक्त मौके पर चिकित्सा अधीक्षक डाक्टर रफीक फारूकी ने बताया की 352 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाएं वितरण की गई हैं और मरीजों के साथ आये तीमारदारों का भी काउंसलिंग कराया गया। कार्यक्रम का संचालन मो. अब्बास ने किया।

कान्हा की अठखेलियों के बीच आरएस वर्ल्ड ने मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। राजातालाब खजूरी स्थित आर एस वर्ल्ड स्कूल में धूमधाम से जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया रंग बिरंगे परिधानों में सजे नन्हे मुन्ने बच्चों ने सबका मन मोह लिया `राधा कृष्ण की बाल सुलभ चंचलता और बांसुरी की मनमोहक झांकियां देखकर सभी भाव विभोर हो गए नन्हे मुन्ने बच्चों ने माखन चोरी की सजीव लीला प्रस्तुत की तो दूसरी ओर केजी के नन्हे मुन्ने बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किया माता यशोदा और कृष्ण की लीला ने सबके मन को मोह लिया` अंत में मटकी फोड़ की लीला आयोजित की गई जिसमें छात्रों ने बड़े उत्साह से भाग लिया इस अवसर पर विद्यालय के वाइस चेयरमैन आयुष जायसवाल ने छात्रों का उत्साह वर्धन किया और कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की।

रोड़वेज बस में गमछे से फांसी लगाकर चालक ने की आत्महत्या

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले के रोडवेज बस अड्डा पर बस चालक ने स्वयं के गमछे से बस के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार अजय सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी दीनापुर थाना कंरडा जो कोतवाली सदर क्षेत्र के कचहरी स्थित सिकंदरपुर में किराये पर रहता था। रोडवेज परिसर के वर्कशॉप में गाड़ी खडी. थीं। जिसमें उसनें अपने गमछे से बस के अंदर फांसी लगा ली। कर्मचारियों ने देख इस बात की सूचना अपने उच्चाधिकारियों को दिया। आनन फानन में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस बारे में एआरएम बी के पांडेय ने बताया कि चालक का शरीर काला पड़ गया था। मामला संदिग्ध लग रहा है। सुबह वह काउंसिल के समय 11 बजे वह मौजूद था।

राज्य शिक्षक पुरस्कृत विरेंद्र की माता का निधन, शोक

चहनियां। चंदौली। कंपोजिट स्कूल हृदयपुर में कार्यरत प्रधानाध्यापक व ग्राम सढान निवासी वीरेंद्र सिंह यादव की माता 79 वर्सीय गिरजा देवी का मंगलवार को निधन हो गया । जिससे शिक्षकों में शोक की लहर व्याप्त हो गया। शिक्षक संगठन की एक आवश्यक बैठक चहनिया कैंप कार्यालय पर हुई। जिसमें राज्य पुरस्कृत शिक्षक वीरेंद्र सिंह यादव की माता के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। उन्हें याद करते हुए लोगों ने कहा कि एक संगठन के सच्चे सिपाही की माता का इस तरह से जाना अत्यंत ही दुखदाई है। जो हर पल शिक्षकों को ईमानदारी से कार्य करने का राह दिखाती रही।

संविधान बचाओ साईकिल यात्रा को निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डा. अवधनाथ पाल एवं पूर्व एमएलसी लंलन प्रसाद यादव ने झंडा दिखाकर किया रवाना

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव निर्देश पर विवेक यादव के नेतृत्व मे चल रहे लोकतंत्र एवं संविधान बचाओ साईकिल यात्रा नगर के मैरिज लान से निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल एवं पूर्व एमएलसी लंलन प्रसाद यादव ने झंडा दिखाकर रवाना किया वहीं साईकिल यात्रियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारू है। भाजपा का आचरण संविधान विरोधी है। सत्ता के अहंकार में भाजपा सरकार अंधी हो गयीं है भाजपा जनता के अधिकारों को छीन रही है। पूरा देश भाजपा के तानाशाही व्यवहार को देख रहा है। भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर रही है। भाजपा का चरित्र षड्यंत्रकारी है प्रलोभन से वह अपनी सत्ता की भूख पूरी करना चाहती हैं लूट और भष्टाचार का बोलबाला है और कानून का राज चौपट है।कहा कि लोकतंत्र में वोट का अधिकार जनता का सबसे बड़ा अधिकार है।भाजपा सरकार जनता के सर्वोच्च अधिकार को भी छीनकर तानाशाही सरकार की स्थापना करना चाहती है साईकिल यात्र मुख्य रूप से राजन यादव, विवेक रंजन यादव,विरेंद्र यादव, हिसामुद्दीन शाह, श्याम बहादुर पाल, राहुल त्रिपाठी, श्रवण जयसवाल, दीपचंद राम, गप्पू मौर्या,राजकुमार बिन्द, आशीष, घीरू, अनुपमा पटेल, नितिन सैफई, आशोक नायक, सोनू यादव, डां शबनम नाज, संन्दीप यादव, पवन यादव, इर्शाद मंशूरी, कलीम, साजिद अलीम, अमजद, अनवारुल गुड्डू, लाल मोहम्मद रायनी, कमालुद्दीन अंसारी, मनोज मौर्या, जेपी यादव, प्रभाकर मौर्या, अजय विश्कर्मा ऋषि यादव, पंकज मिश्रा राममूर्ति सरोज हर्षित यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

संत और प्रचारक एक दूसरे के पूरक है : महामंडलेश्वर भवानीनंदन यति

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गाजीपुर जनपद के प्रख्यात सिद्धपीठ हथियाराम मठ पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रांत का पांच दिवसीय अभ्यास वर्ग संपन्न हुआ। इस अभ्यास वर्ग में संघ के 26 जनपदों के प्रचारक शामिल रहे। सिद्धपीठ श्री हथियाराम मठ पर चल रहे अभ्यास वर्ग के समापन सभा को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर श्री भवानीनंदन यति जी महाराज ने कहा कि संघ प्रचारकों का कार्य किसी अनुष्ठान से कम नहीं होता है। इनके निरंतर संघर्ष से ही एक स्वस्थ समाज की स्थापना होती है। संत और प्रचारक एक दूसरे के पूरक हैं। जिस प्रकार संत एक स्वस्थ समाज की रचना के लिए जीवन पर्यंत साधना में अपना समय व्यतीत करता है। उसी प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का स्वयंसेवक व प्रचारक भी राष्ट्र समाज कल्याण निमित्त अनुष्ठान में शामिल रहते हैं। 3 सितंबर से शुरू होकर 7 सितंबर तक चलने वाले इस पांच दिवसीय अभ्यास वर्ग में संघ की दृष्टिकोण से बनाए गए 26 जनपदों के प्रचारकों के साथ ही 150 संघ प्रचारक शामिल रहे। इनके साथ ही समय-समय पर बौद्धिक व प्रशिक्षण देने के लिए राष्ट्रीय संगठन मंत्री गंगा समग्र रामाशीष जी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी, अखिल भारतीय गौ सेवा प्रमुख अजीत महापात्रा, क्षेत्र प्रचारक प्रमुख राजेंद्र जी, प्रांत प्रचारक प्रमुख रामचन्द्र जी, काशी प्रांत प्रचारक रमेश जी, सह प्रांत प्रचारक मुनीष जी, क्षेत्र सेवा प्रमुख युद्धवीर जी, विभाग प्रचारक अजीत जी और जिला प्रचारक गौरव जी सहित कल 150 से अधिक प्रचारक शामिल रहे।

नवागत डीएम के सामने होंगी कई चुनौतियां

स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी व्यवस्था को बेहतर बनाने, सुस्त पड़ी परियोजनाओ को धरातल पर लाने की रहेगी चुनौती

प्रखर कुशीनगर। शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य क्षेत्रों में पिछड़े जनपद को विकसित करने, शासन की सुस्त पड़ी परियोजनाओं को गति देने, अवैध अतिक्रमण, जन समस्याओं के त्वरित निराकरण, विभागीय कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर विराम लगाने की चुनौतियां नवागत डीएम के समक्ष हैं। वहीं जन समस्याओं के शीघ्र निराकरण की उम्मीद भी जनपदवासियों को है। अब देखना यह है कि समस्याओं के निराकरण व सुस्त पड़ी परियोजनाओं में गति लाने के लिए जिलाधिकारी क्या कुछ करते हैं।

बुधवार को नवागत जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने कलेक्ट्रेट परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी ली। इसके बाद ट्रेजरी कार्यालय का निरीक्षण करने के बाद कार्यभार ग्रहण किया। नए डीएम के आने के बाद जनपद वासियों को उम्मीद है कि जिले की हर समस्या का निराकरण जल्द हो जाएगा। इसमें कुछ गंभीर समस्याएं हैं। जनपद के तमकुहीराज तहसील क्षेत्र में हाइवे के किनारे रजवटिया में बहुउद्देश्यीय हब का निर्माण प्रस्तावित है, तहसील प्रशासन की ओर से बीते जून माह में किसानों से सहमति पत्र पर हस्ताक्षर भी करवा लिया गया है, उसके बाद भी परियोजना अधर में लटकी हुई है और अभी तक अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू नही हो सकी हैं। किसान देवरिया सांसद रमापति राम त्रिपाठी से मिलकर अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कराने की मांग कर चुके हैं और उनके द्वारा शीघ्र अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू कराने का आश्वासन भी दिया जा चुका है। वही मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन की ओर से भी नवम्बर से पूर्व सभी प्रक्रिया पूर्ण करने का आदेश भी दिया गया है, फिर भी परियोजना की सुस्त रफ्तार है। वही कृषि विश्वविद्यालय, हाइवे निर्माण सहित जिले की कई परियोजनाओं की भी रफ्तार धीमी है, जिससे जिले का विकास प्रभावित है। जनता दर्शन व तहसील व थाना दिवसों में सैकड़ो शिकायतें लंबित हैं। इसके निस्तारण के लिए पीड़ित व्यक्ति तहसील व कलेक्ट्रेट कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं। इन समस्याओं के निराकरण व जिले को विकसित करने के लिए जिलाधिकारी किस स्तर से प्रयास करते हैं। इसका इंतजार जनपदवासी कर रहे हैं। वही बेपटरी पर दौड़ रही बेसिक शिक्षा को भी पटरी पर लाने के साथ ही जनपदवासियों को बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं दिलाना भी एक चुनौती है। तो वही विभागीय कार्यालयों में फैले व्याप्त भ्रष्टाचार से निजात दिलाना, सस्ते गल्ले की दुकानों से मानक के अनुसार वितरण, आंगनबाड़ी केन्द्रों के लटकते ताले खुलवाने के साथ ही शासन की ओर से भेजे जा रहे खाद्य पदार्थों का वितरण कराना भी एक चुनौती है। वैसे कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवागत जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने शासन की मंशा के अनुरूप जनपद का विकास कराने, पीड़ितों को न्याय दिलाने को अपनी प्राथमिकता में शामिल होना बताया। जनपदवासियों को नवागत डीएम से विकास परक योजनाओं को गति दिलाने की उम्मीद हैं।

वनवासी समाज द्वारा भक्तमाल की कथा का आयोजन

प्रखर केराकत जौनपुर। भक्तमाल की कथा-ज्ञान महायज्ञ का आयोजन केराकत क्षेत्र के ग्राम डेढूआना में आज से प्रारम्भ हुआ। कथा में मुख्य यजमान किशन बनवासी रहे,कथा वाचक काशी के आचार्य पंडित बृजेश त्रिपाठी जी एवं उनके सहयोगी सिन्कु महराज

जी सहित अनेक सहयोगियों द्वारा बहाई जा रही अमृतमयी कथा का समस्त श्रोतागण रसपान किए। इस कथा के मुख्य रूप से योजनाकार केराकत के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी है,वह कथा के पहले दिन आरंभ से लेकर समापन तक बने रहे,आरती कर कथावाचक का आशीर्वाद लेतें हुए सभी श्रोताओं कों बधाई भी दिया कि आप लोग इतने अनोखे और अद्भुत आयोजन में सहयोग प्रदान कर इतिहासिक कार्य के आयोजन में सहभागी बन रहे है। पूर्व में भी सनातन संस्कृति के प्रचार प्रसार हेतु पूर्व विधायक नें कई बड़े बड़े आयोजन किया,हिन्दू धर्म में घरवापसी कराते हुए उन्हें बाकायदा दीक्षा दिलाते हुए पूजन अर्चन कर सत्कर्म के मार्ग पर प्रेरित करते रहतें है। इस कार्यक्रम का क्षेत्र में व्यापक चर्चा है,ऐसे अद्भुत आयोजन का चहुंओर प्रशंसा हो रही है,कथावाचक नें कहा कि हमें नशा नही करना चाहिए,अपने भोजन में मांसाहार कों सम्मलित नही करना चाहिए। यह कथा दिनांक 7 से लेकर 9 तक चलेगी,अंतिम दिन 10 सितंबर को भंडारा है। उक्त अवसर पर पूर्व विधायक के मीडिया प्रभारी एवं युवा मोर्चा के जिला मंत्री गौतम मिश्र गोलू,आर.डी. चौधरी,मकालू सोनकर,राजबहादुर बबलू ,सर्वेश दीक्षित,महेंद्र सिंह,रामचंद्र बनवासी,दलसिंगार वनवासी,अनिल वनवासी,गीता, मीना सहित सैकड़ो क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

आत्मा योजना में पिंडरा के किसान देंगे सुझाव

प्रखर पिंडरा वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार व कृषि विभाग की महत्वाकांक्षी योजना सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) को सही क्रियान्वयन व किसानों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पिंडरा तहसील क्षेत्र के दो किसानों को आत्मा के जिला स्तरीय कमेटी में सदस्य मनोनीत किया गया। जनकपट्टी ताड़ी के प्रगतिशील किसान पवन सिंह व फूलपुर के जैविक खेती करने वाले किसान ओमप्रकाश पटेल को जिला स्तरीय कमेटी का सदस्य मनोनीत किया गया। उक्त किसान समय समय पर होने वाली कमेटी की बैठक में किसानों की समस्या को रखने के साथ सुझाव भी देंगे। डीएम द्वारा उक्त किसानों के मनोनयन से क्षेत्र के किसानों ने प्रसन्नता जाहिर की।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर थाना परिसर रहा जगमग

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पूर्वांचल का मॉडल थाना सिंधोरा के परिसर में पहली बार धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया गया। इस दौरान तीन मंजिला भवन को आकर्षक ढंग से सजाया गया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर शुरू हुए अखंड रामायण पाठ का समापन के अवसर पर पूजन और भंडारा का भी हुआ। यजमान की भूमिका थानाध्यक्ष अखिलेश वर्मा ने पूरी की। इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के अलावा गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वही फूलपुर थाना परिसर में भी बने मन्दिर को आकर्षक ढंग से सजाने के साथ सायंकाल में भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष दीपक कुमार रणावत, विवेकानंद द्विवेदी, चौकी इंचार्ज नंदलाल कुशवाहा, इंदुकान्त पांडेय, रवि सिंह समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा पिंडरा, फूलपुर, सिंधोरा, मंगारी, कुआर , मछली गांव, जमापुर, थानारामपुर समेत अनेक बाजारों व गांवों में कृष्णजन्माष्टमी का पूर्व धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान जगह जगह आकषर्क ढंग से झांकी सजाई गई।

आखिर सपा ने जौनपुर में नयी कमेटी घोषित करने से अब तक परहेज क्यों कर रखा है ?

प्रखर जौनपुर। लोकसभा चुनाव धीरे धीरे नजदीक आ रहा है। समाजवादी पार्टी का नेतृत्व चुनाव जीतने के लिए दावा तो बड़े बड़े करते नजर आ रहे है। ऐसे में एक बड़ा सवाल खड़ा होता है कि संगठन विहीन जिलो में सपा कैसे भाजपा जैसे दल को शिकस्त दे पायेगी। जी हां हम बात कर रहे है दो संसदीय क्षेत्र वाले जनपद जौनपुर की जहां पर सपा जन प्रतिनिधियों आपसी विवाद एवं खींचतान के चलते विगत दो माह पूर्व भंग कर दी गई लेकिन भंग किए जाने के दो माह तक नयी कमेटी घोषित नहीं की जा सकी है। यदि कहा जाए कि वर्तमान में जौनपुर जनपद संगठन विहीन है तो अतिशयोक्ति नहीं होगा।

यहां बता दें कि सपा में जिलाध्यक्ष के रूप में लालबहादुर यादव के लम्बे कार्यकाल के बाद सपा ने 24 अप्रैल 23 को नये जिलाध्यक्ष की नियुक्ति डॉ अवधनाथ पाल के रूप में कर दी गई इस नियुक्ति में जैसा कि पार्टी जन ही बताते है कि केराकत विधायक तुफानी सरोज की चली और डॉ अवधनाथ पाल अध्यक्ष बन गये। जिला कमेटी गठन का जिम्मा श्री पाल को दे दिया गया। डॉ पाल द्वारा बनायी गई कमेटी को

लेकर जिले में पार्टी के दिग्गज नेताओ खासकर वर्तमान और पूर्व जन प्रतिनिधि गणो मे गुटबाजी ऐसी चली कि अधिकतम दो माह सात दिन बाद डॉ अवधनाथ पाल सहित पूरी जिला कमेटी को प्रदेश अध्यक्ष ने 2 जुलाई 23 को भंग कर दिया। इसके बाद से आज तक जनपद में सपा का न तो कोई जिलाध्यक्ष है नहीं कोई जिला कमेटी है।ऐसे में देखने को मिला यह है कि सपा के जो कार्य संघर्ष के हो रहे है उसमें जनपद के तमाम दिग्गज नेता अथवा जिम्मेदार विधायक एक दम नजर नहीं आ रहे है। सपा आन्दोलन की धार कुन्द होती जा रही है।हलांकि निवर्तमान अध्यक्ष के रूप में डॉ पाल कार्यक्रमो में भागीदारी जरूर कर रहे है लेकिन उनके नोटिस को सायद को नेता गम्भीरता पूर्वक नहीं ले रहा है। सपा के कार्यकर्ता भी एक जुट नहीं है। हां कुछ ऐसे भी तथा कथित नेता जरूर है जो चाटुकारिता करते है।

यहां एक बात और भी स्पष्ट करना जरूरी होगा कि डॉ पाल इसके पहले जब अध्यक्ष पद का दायित्व पाये थे उस सपा भी सपा को बड़ी पराजय झेलनी पड़ी थी। दूसरी बार अध्यक्ष बने तो पहली परीक्षा के रूप में नगर निकाय चुनाव आ गया इसमें भी डॉ पाल फेल ही हो गये। क्योंकि जिसे सपा का प्रत्याशी बनाया था वह खुद हिन्दू वाहिनी की सदस्य रही है ऐसा पार्टी जन ही बताते है। हां एक बात और भी है कि जब जब लालबहादुर यादव तथा राज बहादुर यादव सपा के जिलाध्यक्ष पद पर आसीन रहे सपा को जनपद में बड़ी सफलताएं मिली है।लेकिन जब जब डॉ पाल जिलाध्यक्ष बने पार्टी को नुकसान ही हुआ है।

इन सब बातो के साथ सबसे बड़ा सवाल यह है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष सपा लोक सभा चुनाव में बड़ी जीत का दावा कर रहे है जौनपुर कैसे फतह कर सकेंगे। वर्तमान परिस्थित को दृष्टिगत रखते हुए अपने आजमाये हुए सिपाहियों पर दाव क्यों नहीं लगा रहे है।ताकि समाजवादी पार्टी जनपद जौनपुर में अपना मजबूत प्रदर्शन कर सके। जिले के संगठन को घोषित करने के पीछे कारण चाहे जो हो लेकिन विलम्ब पार्टी हित में कतई नहीं माना जा रहा है। जब तक मजबूत और दमदार अध्यक्ष नहीं बनेगा तब तक पार्टी गुटबन्दी से बाहर नहीं निकल सकेगी ऐसा राजनैतिक समीक्षको का मानना है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर थाना परिसर रहा जगमग

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पूर्वांचल का मॉडल थाना सिंधोरा के परिसर में पहली बार धूमधाम से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया गया। इस दौरान तीन मंजिला भवन को आकर्षक ढंग से सजाया गया। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर शुरू हुए अखंड रामायण पाठ का समापन के अवसर पर पूजन और भंडारा का भी हुआ। यजमान की भूमिका थानाध्यक्ष अखिलेश वर्मा ने पूरी की। इस दौरान क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के अलावा गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वही फूलपुर थाना परिसर में भी बने मन्दिर को आकर्षक ढंग से सजाने के साथ सायंकाल में भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष दीपक कुमार रणावत, विवेकानंद द्विवेदी, चौकी इंचार्ज नंदलाल कुशवाहा, इंदुकान्त पांडेय, रवि सिंह समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अलावा पिंडरा, फूलपुर, सिंधोरा, मंगारी, कुआर , मछली गांव, जमापुर, थानारामपुर समेत अनेक बाजारों व गांवों में कृष्णजन्माष्टमी का पूर्व धूमधाम से मनाई गई।

साइकोलॉजिकल थ्रिलर चुप पर सस्पेंस थ्रिलर धोखा

अल्पना कांडपाल

फिलहाल, सिनेमाघरों में और सिनेमाघरों के बाहर, ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 शिवा के सिनेमाघर खाली होने और हाउसफुल होने के ब्रह्मास्त्र, वानरास्त्र और आग्नेयास्त्र छोड़े जा रहे है. इन भरे सिनेमाघरों का जिक्र करते हुए ब्रह्मास्त्र हिट बताई जा रही है और इन्हें खाली दिखाते हुए इसे फ्लॉप भी बताया जा रहा है. इस अस्त्र युद्ध में भिन्न भिन्न आंकड़ों के अस्त्र छोड़ कर ब्रह्मास्त्र को करण जोहर का सफल अस्त्र बता रहे है.

कमजोर ब्रह्मास्त्र की दुआ- शेष बॉलीवुड और सिनेमाघरों के इस युद्ध से कोई सम्बन्ध नही. ब्रह्मास्त्र द्वारा 401 करोड़ के मुकाबले 134 करोड़ का नेट फिल्म को कैसे हिट बना देता है, इसका फार्मूला तो ट्रेड पंडित ही बता सकते है. परन्तु, ब्रहमास्त्र के 401 करोड़ के बजट बजट की तुलना में काफी कम यानि 10 करोड़ के बजट पर बनी सनी देओल, दुलकर सलमान, श्रेया धन्वन्तरी और पूजा भट्ट की फिल्म चुप द रिवेंज ऑफ़ आर्टिस्ट और 20 करोड़ के बजट से बनी खुशाली कुमार की पहली फिल्म धोखा राउंड द कार्नर को कुछ पर्दो की दरकार है, ताकि वह दिखा सकें कि उनमें कितना है दम. इसलिए यह फ़िल्में बेशक ब्रह्मास्त्र के अस्त्र को भोथरा नही बताएं, पर यह तो जरूर चाहेंगी कि बॉक्स ऑफिस पर ब्रह्मास्त्र थोड़ा कमजोर साबित हो ताकि उन्हें कुछ भी शो मिल सकें.

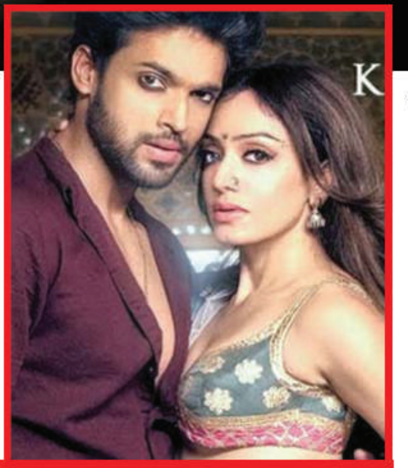

कुकी की लिंर- धोखा राउंड द कार्नर के निर्देशक कुकी गुलाटी का लिंर से लगाव है. उनकी पहली फिल्म प्रिंस एक्शन लिंर थी. विवेक ओबेरॉय की मुख्य भूमिका वाली 2010 में प्रदर्शित प्रिंस को बड़ी असफलता मिली. इसके बाद, कुकी को अगली फिल्म के लिए 12 साल का इंतज़ार करना पड़ा. परन्तु कुकी की फाइनेंसियल लिंर फिल्म द बिग बुल को बड़े परदे नसीब नही हुए. हर्षद मेहता पर यह फिल्म डिज्नी प्लस हॉट स्टार पर स्ट्रीम हुई. अब उनकी तीसरी फिल्म धोखा सिनेमाघरों पर प्रदर्शित होने जा रही है, कुकी चाहेंगे कि इस बार दर्शक उन्हें धोखा न दें.

लिंर की तलाश में दर्शक- वास्तविकता है कि 23 सितम्बर का सप्ताह छोटे बजट की फिल्मों के लिहाज से महत्वपूर्ण है. तब तक ब्रह्मास्त्र का तेज कम हो चुका होगा. दर्शक किसी लिंर फिल्म की तलाश में हो सकते है. ऐसे में चुप और धोखा इन्हें राहत दे सकती है. क्योंकि, जहाँ चुप द रिवेंज ऑफ़ आर्टिस्ट साइकोलॉजिकल लिंर फिल्म है, वहीं धोखा राउंड द कार्नर मिस्ट्री लिंर फिल्म है. इनका लिं दर्शकों को आकर्षित कर सकता है. अगर इन्हें परदे मिल पायें.

लिंर को विदेशी चुनौती- देखने वाले वात होगी कि साइकोलॉजिकल लिंर का सस्पेंस लिंर फिल्म से टकराव परदे पर क्या रंग लाता है. क्या यह लिंर फ़िल्में में इतना लिं पड़ा कर सकेंगी कि वह ढ़ाई घंटे तक सीटों पर चिपके रह सके और बाहर निकल कर दूसरे दर्शकों क भी टिकट खरीदने के लिए उत्साहित कर सकें? जवाब देना आसान नही होगा. क्योंकि, इन दोनों फिल्मों को दो विदेशी फिल्मों से चुनौती मिल सकती है. यह दो फ़िल्में हॉलीवुड की 2009 में प्रदर्शित फिल्म अवतार का उच्चीकृत संस्करण और भारत-नेपाल सहकर से बनी पहली नेपाली- हिंदी फिल्म प्रेम गीत 2 है. अवतार से भारतीय दर्शक परिचित है. वह इसे उच्च तकनीक में देखना भी चाहेंगे. अपने शीर्षक के विपरीत प्रेम गीत 3 रोमांटिक नही बल्कि पीरियड एक्शन फिल्म है.

अवतार 75 रुपये में- स्पष्ट है कि चुप द रिवेंज ऑफ़ आर्टिस्ट और धोखा राउंड द कार्नर के लिए दर्शक बटोरने का अच्छा अवसर है. परन्तु यह अवसर शतप्रतिशत होता अगर अवतार ने चुनौती नही पैदा कर दी होती. अवतार को उच्च तकनीक में प्रदर्शित करने के बावजूद चाहते है कि हिंदी फिल्म दर्शक उनकी अवतार को देखे. क्योंकि इस फिल्म की सीक्वल फिल्म अवतार द वे ऑफ़ वाटर तीन महीने बाद 16 दिसम्बर को प्रदर्शित होने जा रही है. दिलचस्प स्थिति बन गई है कि अवतार अधिक से अधिक दर्शक देख सकें इसलिए इसकी प्रवेश दरें 75 रुपये तक सीमित कर दी गई है.कौन दर्शक इन गर्मियों में ठंडे सिनेमाघरों में तीन घंटों तक अवतार का मजा लिए, वह भी 75 रुपये में!

सनी देओल की चुप

कुछ ऐसा ही सनी देओल और दुलकर सलमान भी चाहेंगे कि उनकी फिल्म चुप के सिनेमाघरों पर चुप यानि साइलेंस न छाया रहे. दर्शकों की उत्तेजनात्मक सीपियाँ सुनाई दें. साइकोलॉजिकल लिंर चुप से निर्देशक आर बल्कि की कोई ४ साल ७ महीने बाद वापसी हो रही है. उनकी पिछली फिल्म पैडमैन थी. चुप की स्टार कास्ट निर्देशक के लिहाज से अनोखी है. बॉलीवुड के एक्शन किंग सनी देओल मलयालम फिल्मों के रोमांटिक हीरो दुलकर सलमान के साथ है. फिल्म में सनी देओल निरंतर हो रही हत्याओं के रहस्य को सुलझाने में जुटे पुलिस अधिकारी की भूमिका में है. रोमांटिक दुलकर सलमान के पल्ल ऐसे कलाकार की भूमिका पड़ी है, जो समीक्षकों का शिकार है और उनकी हत्या करने से पहले उनके माथे पर सितारे बना देता है. इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा भट्ट डेढ़ दशक बाद वापसी कर रही है. उनकी मेहमान भूमिका वाली फिल्म सड़क 2 ओटीटी पर प्रदर्शित हुई थी. बतौर नायिका फिल्म मिस्टर चालू शूट होने से पहले ही बंद हो गई. उनकी 2009 में प्रदर्शित सनम तेरी कसम भी 15 साल की प्रतीक्षा के बाद प्रदर्शित हुई थी.

बॉलीवुड

डिज्नी पर महाभारत

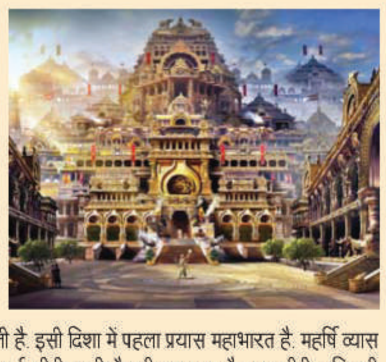

ओटीटी प्लेटफार्म डिज्नी प्लस हॉट स्टार भारतीय दर्शकों को आकर्षित करने के लिए कमर कस चुका है. स्तरहीन हिंदी फिल्मों को प्लेटफार्म पर जगह देने वाला डिज्नी अब स्वयं की सामग्री पर भरोसा करना चाहता है. प्लेटफार्म को मालूम है कि हिन्दू भावनाओं को सहला कर भारतीय दर्शकों में जगह बनाई जा सकती है. इसी दिशा में पहला प्रयास महाभारत है. महर्षि व्यास रचित महाभारत पर यह प्लेटफार्म सीरीज की तैयारी कर रहा है. यह सीरीज कितनी कड़ियों और सीजन की होगी, इसे स्पष्ट नही किया गया है. अभी कलाकारों का चयन भी नही हुआ है. इसके निर्माण से पहले के काम को पूरा किया जा रहा है. देखने वाली बात होगी कि क्या डिज्नी की महाभारत, बीआर चोपड़ा की महाभारत को टक्कर दे पायेगी या एकता कपूर की कहानी हमारे महाभारत की की तरह बिसरा दी जाएगी!

आदिपुरुष का प्रचार

मर्यादा पुरु षोत्तम राम के जीवन पर धार्मिक फिल्म आदिपुरु ष के विषय में अच्छे समाचार है. बताते है कि इसका प्रचार नवरात्रि के पहले दिन राम नगरी अयोध्या से होगा। 26 सितम्बर को फिल्म का टीज़र, आदिपुरु ष में राम की भूमिका करने वाले बाहुबली अभिनेता प्रभास जारी करेंगे। फिल्म के निर्देशक और एक निर्माता ओम राउत फिल्म को पूरी तरह से धार्मिक वातावरण देना चाहते है। प्रभास, 5 अक्टूबर को दिल्ली के लालकिला खेली जाने वाली लवकुश रामलीला में रावण दहन करेंगे। यह 500 करोड़ के बजट की भारत की महँगी फिल्मों में से है। हिंदी और तेलुगु भाषाओं में साथ शूट फिल्म को दूसरी भाषाओं में डब कर अखिल भारतीय स्तर पर 12 जनवरी 2023 को प्रदर्शित किया जाएगा।

दलपति के साथ संजय दत्त

शमशेरा जैसी भारी भरकम असफलता के बावजूद संजय दत्त के खलनायक का क्रेज अब दक्षिण के फिल्मकारों के सर पर चढ़ कर बोल रहा है. साहिब बीवी और गैंगस्टर 2, कलंक, प्रस्थानम, पानीपत, सड़क 2, तोरबाज, भुज द प्राइड ऑफ़ इंडिया, पृथ्वीराज और शमशेरा की असफलता के बावजूद केजीएफ चैप्टर 2 के अधीरा पर दक्षिण का विश्वास जम गया लगता है. तभी तो निर्देशक लोकेश कनकराज ने उन्हें एक्टर विजय के साथ अपनी आगामी फिल्म का खलनायक बना दिया है. दलपति विजय के साथ निर्देशक लोकेश की मास्टर के बाद यह दूसरी फिल्म है. अगले साल विजय की फिल्म वरिसु भी प्रदर्शित होने जा रही है. फिल्म दिवाली 2023 में प्रदर्शित होगी. यह फिल्म तमिल के अतिरिक्त हिंदी तथा दूसरी अन्य भारतीय भाषाओं में भी प्रदर्शित होगी.

महेश बाबू के साथ राजामौली

जहाँ बॉलीवुड की फ़िल्में पैन इंडिया यानि अखिल भारतीय बनने की ओर है, वही एसएस राजामौली अब पैन वर्ल्ड अर्थात अंतर्राष्ट्रीय होने जा रहे है. उनकी अगली फिल्म भूपर्यटन यानि ग्लोबल टोटिंग फिल्म होगी. अभी तक तेलुगु के बड़े सितारों जूनियर एनटीआर और रामचरण के साथ आर आर आर के साथ फ़िल्में बना चुके राजामौली, पहली बार तेलुगु के अन्य सुपरस्टार महेश बाबू के साथ फिल्म बनाने जा रहे है. कार्यकारी शीर्षक एसएसएमबी29 से शूट होने वाली यह फिल्म मारधाड़ से भरपूर साहसिक एक्शन एडवेंचर फिल्म होगी. इसका कथानक दुनिया के कई देशों में घूमेगा. फिल्म की अधिकतर शूटिंग अफ्रीका में होगी. राजामौली और महेश बाबू जोड़ी की यह फिल्म जेम्स बांड प्रकार के कथानक वाली हो सकती है. इसकी शूटिंग अगले साल जनवरी से प्रारम्भ हो सकती है. महेश बाबू इस समय निर्देशक त्रिविक्रम की मारधाड़ से भरपूर अनाम फिल्म की शूटिंग कर रहे है.

राधिका ने शुरू की सना की डबिंग

शिद्दत और अंग्रेज़ी मीडियम जैसी फिल्मों की राधिका मदान ने अपनी अगली फिल्म सना की डबिंग शुरू कर दी है। सना रिलेशनशिप ड्रामा फिल्म है. यह फिल्म ज़िद्दी और महत्वाकांक्षी महिला सना (राधिका) के इर्द-गिर्द है. सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित और लिखित फोर लाइन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित सना में पूजा भट्ट, शिखा तलसानिया और सोहम

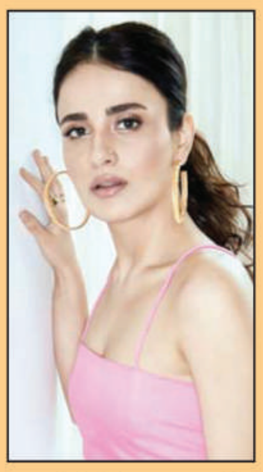

शाह भी है। निर्देशक सुधांशु सरिया, जंगली पिक्चर्स के लिए जासूसी लिंर फिल्म उलज का निर्देशक भी कर रहे है. राधिका ने, विशाल भारद्वाज की सुपर फ्लॉप फिल्म पटाखा से हिंदी फिल्मों में शुरुआत की थी. मर्द को दर्द नही होता में वह अभिमन्यु दासानी की नायिका थी. शिद्दत के बाद, उनकी तीन फ़िल्में कच्चे लिम्बू, होमी अदजानिया की अनाम फिल्म तथा कुत्ते पूरी हो चुकी है.

पीआर स्टंट की ईशा

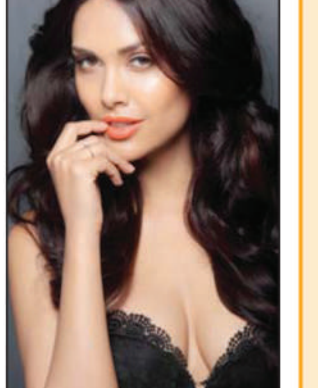

अभिनेत्री ईशा गुप्ता चित्रों से हॉट है. 2012 में महेश भट्ट की फिल्म जन्नत 2 से डेब्यू करने वाली ईशा गुप्ता ने 2012 में राज डी और चक्रव्यूह से झंडे गाड़ दिए थे. बाद में वह टेम्पो नही बना सकी. उनकी फिल्में बादशाहों और कमांडो 2 पाच साल पहले प्रदर्शित हुई थी. उसके बाद तो वह फिल्म पलटन और टोटल धमाल तथा दक्षिण की फिल्मों में कैमियो करती दिखाई दी. उनकी अमीषा पटेल के साथ फिल्म ब्लैक मैजिक का कोई पता नही है तथा हेरा फेरी 3 का बनना भी पीआर स्टंट लगाने लगा है.

टीवी

हुमा हैं माधुरी की फैन

सोनी टीवी का - द कपिल शर्मा शो पॉलिटिकल लिंर सीरीज़ 'महारानी 2' के कलाकारों का स्वागत करेगा, जिनमें हुमा कुरैशी, सोहम शाह, अमित सियाल, प्रमोद पाठक, दिब्येंदु भट्टाचार्य और अनुजा साठे शामिल होंगी। होस्ट कपिल शर्मा ने हुमा कुरैशी से अनुभव जानना चाहा। हुमा बताती है, "मै माधुरी दीक्षित परफॉर्म करते हुए देखती थी और हमेशा मै उनसे अपनी नजरें नही हटा पाती थी। जब मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो मै नर्वस भी थी और उत्साहित भी। लेकिन वो बड़ी प्यारी इंसान है और पूरा माहौल बड़ा खुशनुमा बना देती थी। वो मुझसे अपने घर और बच्चों के बारे बात करती थी और आम लड़की की तरह पेश आती थी, जैसे कोई आम गृहिणी बात करती है। मैने उनसे कहा, "आप तो हमारे जैसी है? (हंसते हुए)।"

भारती सिंह चाहती हैं बेटा हीरो बने

ज़ी टीवी अपने ज़ी रिते अवर्ड्स के जरिए किरदारों के बीच गहरे रितों का जन मनाया। स्पोल एपिसोड 'नाच, गाना, हंगामा एंड टैलेंट' होस्ट करके ुरुआत की! जहां स्कोर देने के लिए अनु मलिक और भारती सिंह मौजूद थीं। भारती ने बताया, ''मैं हाल ही में मां बनी हूं और ज्यादातर समय मैं सोचती रहती हूं कि मेरा बेटा बड़ा होकर क्या करेगा और किस तरह का इंसान बनेगा। आप (ागुन पांडे) मल्टी-टैलेंटेड इंसान हैं, अलराउंडर हैं। आप गा सकते हैं, डांस कर सकते हैं, एक्टिंग कर सकते हैं और म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट्स बजा सकते हैं। यदि मेरा बेटा लक्ष्य आपका सिर्फ १० प्रतित भी बन पाया, तो मुझे लगता है कि मैं और हर्ष यह मानेंगे कि हमने सबकुछ हासिल कर लिया है।

"त्रिशा को कहानियां सुनाती हूं"- नेहा सरगम

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की पौराणिक कथा, यशोमती मैया के नंदलाला में नंदलाला (त्रिशा सारडा) माखन चुराते रहते हैं। यशोदा मैया (नेहा सरगम) शिक्षिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी। सरगम कहती हैं, ''त्रिशा बड़ी मेहनती है और उसके साथ

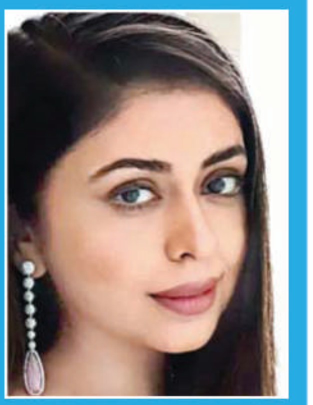

काम करना हमेशा मजेदार होता है। त्रिशा बच्ची है इसलिए मैं उसे भगवान कृष्ण की कहानियां सुनाती हूं। वो उन्हें सुनना पसंद करती है। बच्चे को पौराणिक कथाओं से गहराई से जुड़े देखना खुशी की बात है ।''

अनोखी प्रेम कहानी शेरदिल शेरगिल

मनमीत शेरगिल निडर महिला है, जो अपनी सारी जिंदगी समाज की रूढ़ियों से लड़ती रही है। राजकुमार यादव, कॉमेडियन बनना चाहते है, लेकिन उन्हें शिक्षा आर्किटेक्ट की मिली है, उनमें जुगाड़ करने की चतुराई है। 'कलर्स' का लेटेस्ट शो 'शेरदिल शेरगिल' मनमीत और राजकुमार की कहानी है, जो एक दूसरे से बिल्कुल अलग है। 'शेरदिल शेरगिल' का प्रीमियम 26 सितंबर को होगा। सुरभि चंदना ने कहा, "मै शेरदिल हूँ, मनमीत जितनी ही महत्वाकांक्षी हूँ, सेल्फमेड हूँ, और दृढ़निश्चित हूँ

जज करने से मना किया

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का सिंगिंग रियलिटी शो, इंडियन आइडल - सीजन 13, में कंटेस्टेंट से नेहा कक्कड़ ने जज करने से इनकार कर दिया! लखनऊ के कंटेस्टेंट विनीत सिंह को जज करने से इनकार कर दिया था। पता चला कि विनीत उनसे सीनियर ही नही बल्कि बेहतरीन सिंगर भी है। नेहा ने कहा, " शो में विनीत सिंह मुझसे आगे रहे थे और वो शो के स्टार थे। इस तरह वो मेरे सीनियर बन गए और आज, मैं उन्हें जज नही कर सकती।"

हुश हुश के ट्रेलर

प्राइम वीडियो ने अमेज़ॉन ओरिजिनल, हुश हुश का ट्रेलर जारी किया। रहस्यों, सन्देह और नाटक से भरपूर, हुश हुश ट्रेलर चार दोस्तों के जीवन की झलक है- लॉबिस्ट इशी संघमित्रा (जूही चावला), पूर्व खोजी पत्रकार साइबा त्यागी (सोहा अली खान), फैशन डिजाइनर जायरा शेख (शहाना गोस्वामी) और सताई हुई डॉली दलाल (कृतिका कामरा), है। उनका जीवन उल्टा हो जाता है जब बुद्धिमान पुलिस गीता (करिश्मा तन्ना) रहस्य को सुलझाने के लिए निकलती है जिसमें मीरा (आयशा जुल्का) भी शामिल है।7-एपिसोड की श्रृंखला प्रशंसित निर्देशक तनुजा चंद्रा द्वारा निर्देशित है।

'दूसरी माँ' ममता वाली कहानी

एण्डटीवी 'दूसरी माँ' के लिये मां और बेटे की मशहूर ऑन-स्क्रीन जोड़ी की वापसी होगी। नेहा जोशी यशोदा की भूमिका निभायेंगी और आयुध भानुशाली कृष्णा के रूप में नजर आयेंगे। शो का प्रीमियर 20 सितंबर रात 8 होगा।'दूसरी माँ' उत्तर प्रदेश में अपने पति, दो बेटियों और ससुराल वालों के साथ रह रही महिला की कहानी है। उसका पति अनजाने में अपने नाजायज बेटे को गोद ले लेते है। यशोदा पति के अतीत और सौतेले बेटे के साथ मजबूत रिश्ते को दिखाया है।

गौहर ने सीखी घुड़सवारी

एमएक्स प्लेयर पर रिलीज़ होने जा रही ओरिजिनल सीरिज़ शिक्षा मंडल...इंडियाज बिगेस्ट एजुकेशन स्कैम के लिए गौहर खान ने घुड़सवारी सीख ली, वो भी महज़ एक दिन में। गौहर ने कहा, "मैने काफी स्टंट किए है। शो में मै घुड़सवारी कर रही हूँ और मुझे नही पता था कि घोड़े की सवारी कैसे की जाती है। मैने घुड़सवारी सीखी। सच कहूँ तो यह बहुत मुश्किल था, लेकिन उपलब्धि का अहसास हुआ।"

दर्शन करने पहुंचे अभिषेक

अभिषेक बजाज स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 और चंडीगढ़ करे आशिकी जैसी फिल्मों में सपोर्टिंग परफॉर्मेंस के बाद बबली बाउंसर के साथ पहले लीड रोल के लिए तैयार है। फिल्म में अभिषेक, तमन्ना भाटिया के साथ नजर आएंगे। अभिषेक ने कहा, "मै बप्पा को धन्यवाद देना चाहता था। बप्पा विघ्नहर्ता है। इसलिए मै उनसे आशीर्वाद लेना चाहता था। मै बहुत आभारी हूं।"

शगुन को मिला सरप्राइज

इंडियन आइडल - सीज़न 13 में सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर 'मौसम म्यूज़िकाना' है। झारखंड के कंटेस्टेंट शगुन पाठक गायकों के परिवार से हैं। हिमेश रेशमिया ने कहा, ''आपका 'सुर', आवाज़, परफॉर्मेंस, व्यक्तित्व, अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास अद्भुत था। आप परफेक्शन का परफेक्ट उदाहरण हैं। आपको बहुत आत्मविश्वास और क्षमता की आवश्यकता होती है और आपने शानदार काम किया है।"

रेमो के लिए बॉस्को

डीआईडी सुपर मॉम्स में स्पेशल ट्रीट है, बॉस्को को फिल्म निर्देशन में उतरने के लिए प्रेरित किया। बॉस्को बताते है, "रॉकेट गैंग पहली फिल्म है, जिसका मै निर्देशन कर रहा हूं और मुझे पता है कि रेमो इस बात को समझते है कि फिल्म बनाने में कितनी मेहनत लगती है। कोरियोग्राफर से निर्देशक बनने का सफर तय किया है यकीनन हम जैसे कई लोगों को प्रेरित किया है। ।"

कड़ी मेहनत से मिलती है कामयाबी

कहते हैं ना यदि अपने आप पर विश्वास हो तो पूरी दुनिया आपके मुठ्ठी में होती हैं। जिन्दगी में न जाने कितने दुःख तकलीफ आते हैं लेकिन जो इन परिस्थितियों में अपने आपको ढ़ाल लेता है वही जीवन को एक नई दिशा की ओर मोड़ लेता हैं। ऐसे ही कहानी है दिल्ली त्रिनगर निवासी अनिकेत चौहान की। जिसने कभी नहीं सोचा था कि इंडिया बेस्ट डांसर सीजन-3 में ऑडिशन के भीषण दौर में मेगा ऑडिशन के बाद इस डांस शो के हिस्सा बनेगा।

आपको बता दें कि अनिकेत को बचपन से ही डासिंग का शौक था अपने स्कूल के दिनों कई अवार्ड जीत चुका चाहे वे स्कूल - स्टेट लेवल हर जगह डासिंग से अपना परचम लहराया है। हालांकि उसके माता-पिता इतने अमीर तो नहीं हैं कि किसी डासिंग स्कूल में भेज कर डांस सिखा सकते थे। लेकिन उसकी मेहत और कामयाबी में ने इस मंच तक आने में मदद किया। इसके बाद मुंबईमें टी.वी. राउंड हुआ जिसमें अनिकेत ने अपने परफोमेन्स देकर तीनों जजों को हैरान कर दिया। और तीनों ने स्टेण्डिंग ओवेशन के बाद निर्णय लेकर बैस्ट 12 में शामिल किया जो कि इंडिया बैस्ट डांसर के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

छात्रों के लिए यह है बेहतर करियर ऑप्शंस

कई बार छात्र जल्दी से जल्दी कमाई शुरू करना चाहते हैं और ऐसे करियर ऑप्शंस की तलाश में रहते हैं जहां पर उनकी ये जरूरत पूरी हो सके. हालांकि ये क्लास बहुत छोटी होती है और संभावना हो तो आगे पढ़ाई जरूर करनी चाहिए लेकिन अगर कोई भी विकल्प न बचे और पैसा कमाना प्राथमिकता बन जाए तो इन ऑप्शन में से चुन सकते हैं। यहां कुछ करियर ऑप्शंस की सूची दी जा रही है, आप इनमें से अपनी रुचि, योग्यता और जरूरत के मुताबिक चुनाव कर सकते हैं।

इंडियन आर्मी

ये एक ऐसा ऑप्शन है जहां कम पढ़ाई के बाद भी अच्छा कैरियर बनाया जा सकता है, जहां रुतबा भी है, पैसा भी है और पढ़ाई पूरी न होने से कोई समस्या भी नहीं। इस फील्ड में किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास करने वाले कैंडिडेट्स एंट्री कर सकते हैं। सेलेक्ट होने पर वे कई पद पर काम कर सकते हैं जैसे सोल्जर क्लर्क, जनरल ड्यूटी, टेक्निकल आदि।

डीईओ

अगर आपको कंप्यूटर पर घंटों काम करने में कोई तकलीफ नहीं है तो इस ऑप्शन को सेलेक्ट कर सकते हैं। डेटा एंट्री ऑपरेटर के काम के लिए ज्यादा पढ़ाई की जरूरत नहीं है और इसे भी किसी भी स्ट्रीम का स्टूडेंट ज्वॉइन कर सकता है। हालांकि कॉमर्स वालों को इसमें महत्व दिया जाता है। इसके बाद आप एकाउंट्स, क्लर्क, ऑफिस एडमिनिस्ट्रेटर जैसे कई पद पर काम कर सकते हैं।

सेल्स और मार्केटिंग

ये एक ऐसी फील्ड है जिसमें कम पढ़ाई के बाद भी प्रवेश पा सकते हैं। यहां भी किसी भी स्ट्रीम के कैंडिडेट के लिए प्रवेश के रास्ते खुले रहते हैं। आप इस क्षेत्र में आने के बाद कस्टमर सपोर्ट, सेल्स एग्जीक्यूटिव, डिजिटल मार्केटर आदि बहुत से पद पर काम कर सकते हैं। अगर रुचि हो तो इस फील्ड में एंट्री कर सकते हैं।

इंडियन रेलवे

इंडियन रेलवे में भी ऐसी बहुत सी नौकरियां निकलती हैं जिनके लिए योग्यता केवल 12वीं पास होती है। आप समय-समय पर निकलने वाली इन वैकेंसी पर नजर रखें और आवेदन करें। रेलवे में बड़ी संख्या में लोग आवेदन करते हैं लेकिन यहां की नौकरी की बात ही कुछ और होती है। एक बार जॉब मिल जाने पर आगे समस्या नहीं आती।

करियर को नया मोड़ दे सकती है वेब दुनिया

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि इंटरनेट आज हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। चाहे मनोरंजन की बात हो या फिर बेहतरीन करियर की, इंटरनेट के जरिए कारोबार फैला है, दुनिया सिमटी है और तरक्की एक अंगुली तक सीमित हो गयी है। इंटरनेट की बदौलत आज हर असंभव काम संभव हो सका है। आलम यह है कि इंटरनेट के जरिए तमाम लोगों का करियर मजबूत हुआ है। अगर हम कहें कि वेब की दुनिया में मजबूत करियर छिपा है तो कतई गलत नहीं होगा।

वर्तमान ही नहीं, भविष्य में भी सकारात्मक

इंटरनेट पर बढ़ते कारोबार ने वेब डिजाइनरों एवं वेब डेवलपर्स की मांग बढ़ाई है। विशेषज्ञों की मानें तो इस क्षेत्र को भविष्य की संभावना के रूप में देखा जा रहा है। इंटरनेट की ही बदौलत व्यापार के तौर-तरीके बदलते हैं। इंटरनेट से सिर्फ वर्तमान ही नहीं, भविष्य भी

सकारात्मक रूप से बदल रहा है। इन दिनों ज्यादातर बिजनेस इकाइयां वेब पेज डेवलप कर रही हैं और इसी के माध्यम से आपस में संवाद भी हो रहे हैं।

ऐसे काम करता है वेब डिजाइनर

सूचना क्रांति के इस युग में तो यह सभी प्रकार के बिजनेस में अनिवार्य टूल बन गया है। यही कारण है कि वेब डिजाइनर एंड डेवलपर की मांग आज सबसे अधिक है। विशेषज्ञों के मुताबिक, 'वेब डिजाइनर मूलत: वेबसाइट के निर्माण, विकास एवं रखरखाव से संबद्ध होते हैं।' हालांकि वेब डिजाइनर एवं वेब डेवलपर में कई विभिन्नताएं हैं। वेब डिजाइनर अपनी क्रिएटिविटी एवं कलात्मक क्षमताओं के आधार पर वेबसाइट का निर्माण करते हैं जबकि वेब डेवलपर मूलत: प्रोग्रामर होता है जो वेबसाइट को प्रोफेशनल क्रियात्मक स्वरूप प्रदान करता है।

जरूरी क्रिएटिव

अगर आप रचनात्मक हैं तो वेब डिजाइनिंग का क्षेत्र आपकी राह ताके बैठा है। जो लोग कठिन टेक्नोलाजी से ज्यादा ताल्लुक रखते हैं वे वेब डेवलपर बन या वेब डिजाइनर बन सकते हैं। हालांकि ये दोनों क्षेत्रा एक-दूसरे के पूरक हैं और किसी व्यक्ति में दोनों क्षेत्रों की खासियतें भी हो सकती हैं क्योंकि दोनों ही क्षेत्र समान रूप से चुनौतीपूर्ण हैं।

चुनौतीपूर्ण है ये क्षेत्र

इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले व्यक्ति को इस बात की पुष्टि कर लेनी चाहिए कि आप निरंतर बदल रहे टेक्नोलॉजी से लैस रहेंगे। अपनी इसी खासियत के कारण यह एक चुनौतीपूर्ण काम भी है। पेज निर्माण में यह भी ध्यान रखना होता है कि वह साइट के थीम के अनुरूप हो और उसके संदेश एवं लक्ष्य को मुखरता से पेश कर सके। उसमें नैविगेबिलिटी के गुण भी होने चाहिएं जिससे साइट यूजर फ्रैंडली बन सके।

करियर बनाने के लिए जरूरी है एचटीएमएल का ज्ञान

इस क्षेत्र में करियर बनाने की ओर आपका सबसे पहला कदम-एचटीएमएल का सीखना है। यह प्रोग्रामिंग लैंग्वेज नहीं है, बल्कि साधारण फारमेटिंग लैंग्वेज है जिससे पेज के ले-आऊट को बनाने में मदद मिलती है। प्रोग्रामिंग में अधिक सहायता के लिए आज जावा, डीएचटीएमएल, सीजीआई स्क्रिप्टिंग, एएसपी, वीबी स्क्रिप्ट और अन्य ई-कामर्स से संबंधित विशेषताओं का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

सफल प्लानिंग पर बेहतर भविष्य

भावी करियर प्लानिंग के लिए स्टूडेंट को दो बातों की जानकारी होना जरूरी है। पहली अपनी रुचि और दूसरी अपनी क्षमताएं। इन्हीं दो बातों को मूल आधार बनाया जाना चाहिए। बाकि चीजों के बारे में इसके बाद सोचना चाहिए।

जब एक बार यह स्पष्ट हो जाए कि रुचि का विषय या क्षेत्र ये हैं तो फिर इस बारे में सोचना चाहिए कि उससे संबंधित पढ़ाई की सुविधा कहां-कहां है?

अपनी रुचियों और क्षमताओं को लेकर यदि किसी छात्र में कोई उलझन महसूस हो तो उसे साइकोलाजिकल टैस्टिंग करवानी चाहिए। मनोवैज्ञानिक परीक्षण और काउंसलिंग एक-दो घंटे के कुछ सैशन में पूरी हो जाती है। बच्चे से उसके परिवार, आर्थिक स्थिति, माता-पिता की पढ़ाई-लिखाई, हाबीज आदि के बारे में सवाल पूछे जाते हैं। फिर देखा जाता है कि उसकी पर्सनैलिटी आखिर किस टाइप की है? वह खतरे वाले काम पसंद करता है, गुस्सैल है या विद्रोही है। उसकी स्टडी हैबिट्स के बारे में जाना जाता है। आपकी डिग्री या डिप्लोमा

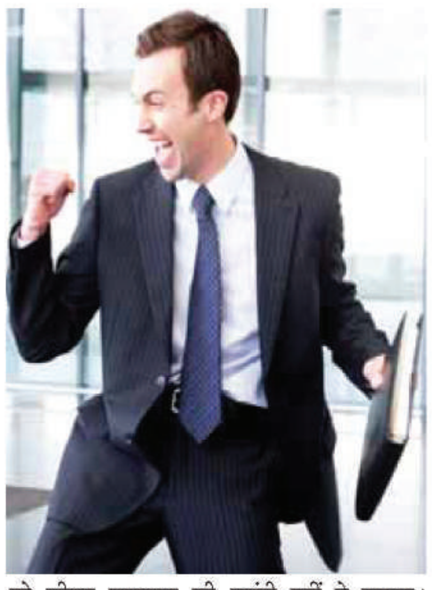

पूरे जीवन सफलता की गारंटी नहीं दे सकता। सर्टिफिकेट महज पहला जाब पाने के लिए जरूरी होते हैं। आगे की कामयाबी और तरक्की आपकी वोकेशनल स्किल्स, काम पर पकड़, काम में रुचि और प्रोफेशनल एटीट्यूड पर निर्भर करता है। कामयाब कैरियर के लिए जरूरी है कि आप भी शुरुआत में ही इसे तय कर लें। अपना एक लक्ष्य निर्धारित करें। उस तक जाने वाले मार्ग का पता लगाएं और फिर अपनी पूरी शक्ति और परिश्रम से उसकी ओर बढ़ जाएं। अपनी योग्यता के अनुसार ही कैरियर का चुनाव करें न कि इसलिए करें कि अन्य स्टूडेंट भी किसी विशेष करियर या खास विषय का चुनाव कर रहे हैं।

कैरियर के निर्माण में व्यक्तित्व और सोच की प्रमुख भूमिका होती है। घर वालों और मित्रों आदि की मदद से अपने गुण-दोषों का पता लगाकर व्यावहारिक निर्णय लेना चाहिए। मसलन यदि आपकी रुचि मशीनों और औजारों के साथ काम करने में अधिक है तो आपको मैकेनिक्स, कंस्ट्रक्शन अथवा इंजीनियरिंग आदि क्षेत्रों में कैरियर का चयन करना चाहिए।

12वीं में बने हैं कम परसेंटेज, अच्छे कॉलेज में दाखिला लेने में मदद करेंगे ये टिप्स

आप भी उन स्टूडेंट्स में शामिल हैं, जिनके किसी कारण से 12वीं में अच्छे नंबर नहीं आ पाए हैं तो यह खबर आपके बेहद काम की है। अब अच्छे कॉलेजों में एडमिशन पाने के लिए 12वीं के नंबरों के बजाय सीयूईटी के स्कोर को अहमियत दी जाती

है। बस सीयूईटी में अच्छा स्कोर पाने के लिए तैयारी करें। परीक्षा में कितना भी कुछ कर लें, लेकिन अंत में समय कम पड़ ही जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं जो आपके काम आ सकते हैं।

हड़बड़ी न करें

परीक्षा में जब भी आपके हाथ में पेपर आए तो जल्दबाजी बिल्कुल न करें। पेपर में दिए सभी निर्देश और फिर आगे बढ़ें। हर क्वैश्चन को ठीक से पढ़ने के बाद ही उसे सॉल्व करना शुरू करें। कई बार पूछा कुछ गया होता है और लोग हड़बड़ी में कुछ और लिखकर आ जाते हैं।

ऐसे तय करें समय

पेपर हल करते समय सबसे पहले पेपर के सेक्शन में बांट लें। उसके हिसाब से तय करें कि किस सेक्शन में कितना समय देना है। जब लगे समय पूरा होने वाला है और वह सेक्शन पूरा नहीं हुआ है तो उसे वहीं छोड़ दें। बड़े और ज्यादा नंबर वाले सवाल को पहले हल कर लें। हालांकि, कोशिश पूरी करें कि कुछ न छूटे।

शुरुआत से स्पीड सही होनी चाहिए

स्टूडेंट्स शुरू में कछुआ और अंत में खरगोश बनने से बचें। इसका मतलब है ज्यादातर छात्र शुरू में तो बड़े आराम से लिखते हैं और आखिर में आते-आते स्पीड तो बढ़ा लेते हैं, लेकिन क्या लिखा है ये वो खुद भी नहीं बता सकते। सवाल कुछ होता है है और आप जल्दी में आंसर कुछ और लिख देते हैं। ऐसे में शुरू से ही स्पीड मेंटेन रखे।

रिवीजन जरूर करें

हर प्रश्न को तय समय में ही पूरा करने की कोशिश करें। अगर ऐसा नहीं कर पाते हैं तो उसे वहीं छोड़ दें। अब जो सेक्शन आता है उसे ही हल करें। पेपर में दिए गए जो सवाल आपको अच्छे से आते हैं, वे किसी भी हाल नहीं छूटने चाहिए। इसके बाद रिवीजन का समय जरूर बचाएं, क्योंकि ये सबसे ज्यादा जरूरी पाइंट है।

होम वर्क से न हो परेशान इस तरह करें समाधान

आज के समय में अधिकतर लोग एकांकी जीवन जीते हैं। उसमें भी ज्यादातर माता-पिता कामकाजी होते हैं, ऐसे में बच्चों को नियमित होमवर्क कराना एक बड़ी टेंशन है। अगर गृहणियों की बात करें तो उनके लिए भी बच्चों को एक स्थान पर बैठा कर होमवर्क कराना कोई आसान नहीं है। यहां हम आपको होमवर्क को कैसे इंट्रेस्टिंग बनाकर पूरा करवाएं उसके लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं।

अगर पैरेंटस बच्चों को नियमित होमवर्क करने की आदत प्रारंभ से डाल दें तो बच्चे उसे अपनी पढ़ाई का एक भाग मानना शुरू कर देते हैं। बच्चों को बताया जाए कि होमवर्क नियमित करना उनके लिए इसलिए जरूरी है ताकि वे क्लास में कराई पढ़ाई को दोहरा सकें और थोड़ा एक्सट्रा पढ़ कर अपना ज्ञान आगे बढ़ा सकें।

बच्चा अगर होमवर्क करते समय चिड़चिड़ करता है या उग्र हो जाता है तो उससे बात करें, कारण जानें। तब भी बच्चा आपको सहयोग नहीं कर पा रहा तो टीचर से मिलें और काउंसलर से मिलकर मदद लें।

माता-पिता बच्चों के पहले शिक्षक होते हैं, इसलिए होमवर्क में भी उनका सहयोग और मार्गदर्शन बच्चों के लिए जरूरी है।

बच्चों के लिए होमवर्क करने का समय निश्चित करें अगर आप कामकाजी हैं तो आने के बाद समय बांधें तथा लगातार उस पर नजर बनाएं रखें और मदद करें।

GENERAL KNOWLEDGE

दुनिया के इस देश में पाए जाते हैं नीले रंग के केले

आज हम आपको जनरल नॉलेज के कुछ ऐसे ही सवालों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

-किस सुल्तान ने अपनी राजधानी दिल्ली से दौलताबाद स्थानान्तरित की?

उत्तर- मोहम्मद बिन तुगलक

-प्रथम पंचवर्षीय योजना कब प्रारंभ हुई?

उत्तर-1951 में

-चीनी यात्री ह्वेनसांग ने किस विश्वविद्यालय में अध्ययन किया?

उत्तर-नालन्दा

-कौनसा रक्त समूह सर्वदाता कहलाता है?

उत्तर- ओ

-मनुष्य के शरीर में कितनी हड्डियां होती है?

उत्तर- 206

-सूर्य के प्रकाश से कौनसा विटामिन प्राप्त होता है?

उत्तर- विटामिन D

-दुनिया में किस देश में नीले रंग के केले पाए जाते हैं?

उत्तर- हवाई, साउथ ईस्ट एशिया और सेंट्रल अमेरिका के कुछ हिस्सों में नीले रंग के केले उगाए जाते हैं।

-मादा एनाफ्लीज मच्छर के काटने से कौनसा रोग होता है?

उत्तर-मलेरिया

-टेलीफोन का आविष्कार किसने किया था?

उत्तर- अलेक्जेंडर ग्राहम बेल

-प्रकाश की गति कितनी होती है?

उत्तर-300000 कि.मी./ सेकंड

-पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगाती है यह सबसे पहले किसने बताया ?

उत्तर- कोपरनिकस

-प्रकाश वर्ष का सम्बन्ध किससे है ?

उत्तर - खगोलीय दूरी

-स्वर्ण मंदिर कहां स्थित है ?

उत्तर - अमृतसर

-चारमीनार कहां स्थित है?

उत्तर-हैदराबाद

-कुतुबमीनार कहां स्थित है?

उत्तर- दिल्ली

-गेटवे आफ इंडिया कहां स्थित है?

उत्तर-मुंबई

-इंडिया गेट कहां स्थित है?

उत्तर-नई दिल्ली

-'आजाद हिन्द फौज की स्थापना कहां की गई?

उत्तर- सिंगापुर

ऑफिस में भूलकर भी ना करें ये गलतियां

ऑफिस में काम करते समय हम अनेक गलतियां कर देते हैं, जो कि हमारे काम की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाती हैं। कुछ ऐसी गलतियां हैं जो हमें नहीं करनी चाहिए।

समय पर नहीं आना-ऑफिस में समय पर पहुंचना बहुत जरूरी होता है। अगर आप समय पर नहीं पहुंचते हैं तो यह आपके समूह या टीम में असमंजस का कारण बन सकता है।

फोन चलाना - ऑफिस में अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल बहुत जरूरी होता है, लेकिन यहां अनावश्यक फोन कॉल्स लेना या मैसेज सेंड करना आपके काम की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचा सकता है।

नियमों का पालन नहीं करना- आपको ऑफिस के नियमों का पालन करना चाहिए। यदि आप नियमों का पालन नहीं करते हैं तो यह आपके समूह या टीम के लिए असमंजस का कारण बन सकता है।

असंगठित काम करना-

ऑफिस में काम करते समय आपको असंगठित काम नहीं करना चाहिए। यदि आप असंगठित काम करते हैं तो आपके काम की गुणवत्ता पर असर पड़े।

लंबे अवधि तक बैठना-

लंबे समय तक बैठना आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है और इससे आपका काम भी प्रभावित होता है। इसलिए नियमित अंतरालों में थोड़ा व्यायाम करना आवश्यक होता है।

जोकोविच 13वीं बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में

फ्रिट्ज को हराया, अब शेल्टन से होगी भिड़ंत

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज को 6-1, 6-4, 6-4 से हराया। जोकोविच 47वीं बार किसी ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। यूएस ओपन में वह 13वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। जोकोविच 17वीं बार यूएस ओपन में खेल रहे हैं।

सेमीफाइनल में जोकोविच का मुकाबला अमेरिका के बेन शेल्टन से होगा। जो पहली बार टूर्नामेंट के अंतिम-4 में पहुंचे हैं। शेल्टन ने दूसरे क्वॉर्टरफाइनल में हमवतन फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 3-6, 7-6, 6-2 से हराकर नई एटीपी रैंकिंग में टॉप-20 में जगह पक्की कर ली। 20 साल के शेल्टन पिछले 30 सालों में यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा अमेरिकी खिलाड़ी बन गए हैं। शेल्टन इसी साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी क्वॉर्टरफाइनल में पहुंचने में कामयाब रहे थे। अब सेमीफाइनल में उन्हें जोकोविच के अनुभव का सामना करना होगा।

अमेरिका की कोको गॉफ पहली बार टूर्नामेंट के अंतिम-4 में

महिला एकल वर्ग में अमेरिका की युवा खिलाड़ी कोको गॉफ ने पहली बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। गॉफ ने वर्ल्ड नंबर-1 स्वियातेक को हराने वाली लातविया की जेलेना ओस्टापेंको को 6-0, 6-2 से हराया। अमेरिका की 19 वर्षीय गॉफ 2001 में सेरेना विलियम्स के बाद यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी है। छठी वरीयता प्राप्त गॉफ का शनिवार को फाइनल में जगह बनाने के लिए इस साल की फ्रेंच ओपन उपविजेता चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा से सामना होगा।

बोपन्ना-एबडेन पुरुष युगल के सेमीफाइनल में पहुंचे

भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एबडेन पुरुष युगल के सेमीफाइनल में पहुंच गए है। उनकी जोड़ी ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिकी जोड़ी नथानिएल लैमन्स और जैक्सन विथ्रो को 7-6 (10), 6-1 से हराया। बोपन्ना और एबडेन इस साल की शुरुआत में विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचे थे। 43 वर्ष के बोपन्ना के पास अपने करियर में दूसरी बार ग्रैंडस्लैम पुरुष युगल फाइनल में जगह बनाने का मौका है। इससे पहले वह 2010 में अमेरिकी ओपन फाइनल में पहुंचे थे। अब उनका सामना फ्रांस के पियरे हुगुएस हर्बर्ट और निकोलस माहुत से होगा। बोपन्ना मिश्रित युगल से दूसरे दौर में ही बाहर हो चुके हैं।

सुपर-4 में पाक की विजयी शुरुआत

एशिया कप: बांग्लादेश को सात विकेट से हराया, हारिस रउफ ने झटके चार विकेट

लाहौर (एजेंसी)। मैन ऑफ द मैच हारिस रउफ (चार विकेट) की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद 194 रनों के मामूली लक्ष्य को 10.3 ओवर शेष रहते हासिल कर पाकिस्तान ने बुधवार को एशिया कप के सुपर चार चरण के पहले मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ सात विकेट से आसान जीत हासिल की। बांग्लादेश की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.4 ओवरों में 193 रनों पर सिमट गयी थी जिसके जवाब में पाकिस्तान ने 194 रन के विजयी लक्ष्य को 39.3 ओवरो में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने पहली जीत के साथ दो अंक अर्जित किए।

इससे पहले गद्दाफी स्टेडियम पर टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरूआत अच्छी नहीं रही जब उसके इन फार्म बल्लेबाज मेहदी हसन बगैर खाता खोले पवेलियन लौट गए। एक समय बांग्लादेश मात्र 47 रन पर चार विकेट गंवा कर मुश्किलों के भंवर में फंस गया था मगर कप्तान शाकिब अल हसन(53 रन) और मुशफिकुर रहीम (64 रन) ने संयमपूर्ण बल्लेबाजी से टीम को सम्मानजनक स्कोर की ओर अग्रसर किया। इस साझीदारी के टूटते ही पाकिस्तान के गेंदबाजों ने आक्रामक रवैया अख्तियार कर लिया। नए बल्लेबाज शमीम हुसैन (16) ने दूसरे छोर पर टिके रहीम का कुछ समय तक साथ दिया मगर पाकिस्तान की खतरनाक पेस तिकड़ी के सामने बांग्लादेश के पांव उखड़ने लगे थे। पाकिस्तान की ओर से रउफ ने 19 रन देकर चार विकेट जबकि नसीम शाह ने 34 रन देकर तीन विकेट झटके। अफरीदी,फहीम अशरफ और इफ्तिखार अहमद ने एक एक खिलाड़ी को पवेलियन पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इमाम उल हक (78) और मोहम्मद रिजवान (63 नाबाद) ने 85 रन की साझीदारी कर टीम को विजय के द्वार पर पहुंचा दिया। इमाम ने अपनी अर्धशतकीय पारी में 84 गेंद खेल कर पांच चौके और चार छक्के लगाये वहीं अनुभवी रिजवान खेल खत्म होने तक सात चौके और एक छक्का लगा चुके थे। आगा सलमान 12 रन बनाकर नाबाद लौटे।

स्कोर बोर्ड

बांग्लादेश	रन	गेंद	4/6
नईम शेख कै. एवं बो. रउफ	20	25	4/0
मेहदी हसन कै. जमान बो. नसीम	00	01	0/0
लिटन दास कै. रिजवान बो. शाहीन	16	13	4/0
शाकिब कै. जमान बो. अशरफ	53	57	7/0
मो. तौहीद हृदोय बो. रउफ	02	09	0/0
रहीम कै. रिजवान बो. रउफ	64	87	5/0
शमीम हुसैन कै. हक बो. इफ्तिखार	16	23	0/1
हुसैन कै. अशरफ बो. नसीम	12	11	0/1
अहमद कै. रिजवान बो. रउफ	00	01	0/0
शोरिफुल इस्लाम बो. नसीम	01	03	0/0
हसन महमूद नाबाद	01	02	0/0

अतिरिक्त: 8, **कुल**: 38.4 ओवर में 193 रन पर ऑलआउट **विकेट पतन**: 1-0, 2-31, 3-45, 4-47, 5-147, 6-174, 7-190, 8-190, 9-192, 10-193 **गेंदबाजी**: शाहीन शाह अफरीदी 7-1-42-1, नसीम शाह 5.4-0-34-3, हारिस रउफ 6-0-19- 4, फहीम अशरफ 7-0-27-1, शादाब खान 7-0-35-0, आगा सलमान 1-0-11-0, इफ्तिखार अहमद 5-0-20-1,

पाकिस्तान	रन	गेंद	4/6
फखर जमान पगबाधा इस्लाम	20	31	3/0
इमाम-उल-हक बो. मिराज	78	84	5/4
बाबर आजम बो. तस्किन	17	22	1/0
मोहम्मद रिजवान नाबाद	63	79	7/1
आगा सलमान नाबाद	12	21	1/0

अतिरिक्त:4, **कुल**: 39.3 ओवर में तीन विकेट पर 194 रन, **विकेट पतन**: 1-35, 2-74, 3-159 **गेंदबाजी**: तस्किन अहमद 8-1-32-1, शोरिफुल इस्लाम 8-1-24-1, हसन महमूद 7-0-46-0, मेहदी हसन मिराज 10-0-51-1, शाकिब अल हसन 5.3-0-31-0, शमीम हुसैन 1-0-8-0,

मैच के दौरान गद्दाफी स्टेडियम की बत्ती गुल

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच एशिया कप सुपर फोर चरण के मुकाबले को बुधवार को कुछ समय के लिए रोकना पड़ा जब गद्दाफी स्टेडियम की एक फ्लडलाइट अचानक बंद हो गयी। दरअसल, बांग्लादेश के 194 रन के विजयी लक्ष्य का पीछा करने पाकिस्तान के बल्लेबाज उतरे थे। अभी पांच ओवर ही फेंके गये थे कि स्टेडियम के एक फ्लडलाइट टावर की बत्ती गुल हो गई। अंपायरों ने कम रोशनी के कारण मैच को रोक दिया। स्टेडियम के तकनीकी स्टाफ ने आनन फानन में आयी बाधा को दूर किया मगर इसके चलते 20 मिनट का खेल खराब हुआ।

हारिस रऊफ के वनडे में 50 विकेट पूरे, सकलैन मुश्ताक का रिकॉर्ड तोड़ा

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ ने सबसे तेज 50 वनडे विकेट लेने वाले संयुक्त रूप से तीसरे पाकिस्तानी गेंदबाज बन गए हैं। रफऊ ने 27 वनडे मैचों में अपने करियर वनडे करियर का 50वां विकेट लेकर यह उपलब्धि हासिल की। उनके अलावा वकार यूनुस ने भी 27 मैचों में 50 विकेट लिए। रऊफ ने पूर्व दिग्गज सकलैन मुश्ताक का रिकॉर्ड तोड़ा। जिन्होंने 28 मैचों में पचास विकेट झटके थे। पाकिस्तान के लिए सबसे तेज 50 वनडे विकेट लेने का रिकॉर्ड पेसर हसन अली के नाम दर्ज है। उन्होंने सिर्फ 24 मैचों में यह कारनामा किया।

पाक के लिए सबसे तेज 50 वनडे विकेट

मैच	खिलाड़ी
24	हसन अली
25	शाहीन शाह
27	वकार यूनिस
27	हारिस रऊफ
28	सकलैन मुश्ताक

सभी 52 जिलों के 313 विकासखण्डों में होगा टूर्नामेंट का आयोजन

खेलो एमपी यूथ गेम्स 12 सितंबर से

भोपाल,(खेसं)। मध्यप्रदेश में खेलो एमपी यूथ गेम में यह 12 सितंबर से 28 सितंबर तक विभिन्न चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रदेश में खेलों के प्रति युवाओं को जागरूक करने, खेल को सर्व सुलभ बनाने, ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों के प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान और उन्हें खेलों की तकनीकी पद्धति से प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रदेश में कई अभिनव पहल किए जा रहे है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में पहली बार हुए खेलों इंडिया यूथ गेम्स की सफलता के बाद घोषणा की थी कि खेलो इण्डिया यूथ गेम्स की तर्ज पर मध्यप्रदेश में खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन भी किया जाएगा।

इस कड़ी में 12 से 28 सितम्बर तक प्रदेश में विभिन्न चरणों में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। खेलो एमपी यूथ गेम्स का आयोजन प्रदेश के सभी 52 जिलों के 313 विकासखण्डों में किया जाएगा। यूथ गेम्स 4 चरणों, ब्लॉक, जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर किया जाएगा। ब्लॉकस्तरीय चयन स्पर्धा 12 से 14 सितंबर के मध्य किया जाएगा। जिलास्तरीय प्रतियोगिता 16 से 18 सितंबर, संभागस्तरीय 20 से 23 सितंबर तथा राज्यस्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 24 से 28 सितंबर तक किया जाएगा। राज्यस्तर पर प्रदेश के 8 संभाग भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर, उज्जैन एवं शहडोल की टीमें सहभागिता करेंगी।

24 खेलों में राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएं प्रदेश के 7 शहरों में होंगी आयोजित

24 खेलो में राज्यस्तरीय प्रतियोगिताएं प्रदेश के 7 शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, शिवपुरी, उज्जैन, रीवा एवं जबलपुर में किए जाएंगे। जिला एवं संभाग स्तर पर प्रदेश में प्रचलित 18 खेल एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो-खो, मलखम्ब, तैराकी, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, टेबिल टेनिस, योगासन, वॉलीबॉल, टेनिस और शतरंज का आयोजन किया जाएगा। राज्यस्तर पर 6 खेल ताइक्वांडो, फैंसिंग, रोइंग, क्याकिंग-कनोइंग, शूटिंग एवं आर्चरी जैसे खेलों का आयोजन किया जाएगा। राज्यस्तर पर एथलेटिक्स, शूटिंग प्रतियोगिताएं स्पोर्टस कॉम्पलेक्स शिवपुरी में होंगी। भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम में बॉक्सिंग, ताक्वांडो, जूडो, फैंसिंग, टेनिस, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कुश्ती, शतरंज प्रतियोगिताएं होंगी। भोपाल की बड़ी झील में क्याकिंग-कनोइंग और रोइंग तथा प्रकाश तरण पुष्कर में तैराकी प्रतियोगिता की जाएंगी। इंदौर के बॉस्केटबॉल काम्प्लेक्स में बास्केटबॉल और वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिताएं तथा एमरॉल्ड हाइट्स स्कूल में टेबल टेनिस के मुकाबले होंगे। ग्वालियर में मध्यप्रदेश बैडमिंटन अकादमी बेडमिंटन और मध्यप्रदेश महिला हॉकी अकादमी कम्पू ग्वालियर में हॉकी की प्रतियोगिताएं होंगी। स्पोर्टस कॉम्पलेक्स उज्जैन में मलखम्ब और योगासन, जबलपुर के रानीताल स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स में खो-खो एवं तीरंदाजी तथा स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स रीवा में कबड्डी के मुकाबले खेले जाएंगे।

गुकेश तीसरे स्थान पर खिसके, प्रज्ञानानंदा हारे

कोलकाता, (एजेंसी)। भारतीय खिलाड़ियों के लिए बुधवार को टाटा स्टील शतरंज इंडिया में निराशाजनक दिन रहा जब रेपिड ओपन वर्ग में शीर्ष पर चल रहे डी गुकेश का अजेय अभियान थम गया और वह हमवतन विदित गुजराती के खिलाफ शिकस्त से तीसरे स्थान पर खिसक गए। युवा सनसनी आर प्रज्ञानानंदा को रेपिड वर्ग में एक और हार का सामना करना पड़ा। रेपिड वर्ग के अंतिम दिन अब तीन दौर के मुकाबले और खेले जाने बाकी है। दूसरे दिन के खेल के बाद कोई भारतीय खिलाड़ी शीर्ष पर नहीं है। गुकेश, प्रज्ञानानंदा और गुजराती तीनों एकल बढ़त बनाने वाले फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव से डेढ़ अंक पीछे हैं।

पॉडीचेरी अंडर-23 क्रिकेट टीम के हेड कोच बने भोपाल के संजय

भोपाल,(खेसं)। भारतीय स्टेट बैंक, उदयांचल शाखा में पदस्थ डिप्टी मैनेजर भोपाल के संजय पाण्डेय को क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ पॉडीचेरी ने अपनी अंडर-23 टीम का हेड कोच नियुक्त किया है।

साथ ही एसोसिएशन द्वारा उन्हें पॉडीचेरी की रणजी टीम, अंडर-19, अंडर-23 टीम और महिलाओं की सीनियर व जूनियर टीम के तेज गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी भी सौंपी है। उल्लेखनीय है कि संजय पाण्डेय ने मध्यप्रदेश की ओर से 15 वर्षों तक घरेलू क्रिकेट में तेज गेंदबाज के रूप में 72 प्रथम श्रेणी मैचों में 240 विकेट अर्जित किए हैं। वह मप्र की ओर से घरेलू क्रिकेट में 200 विकेट चटकाने वाले पहले तेज गेदबाज है। संजय की कोचिंग में मप्र की अंडर-23 और अंडर-25 टीम बीसीसीआई के प्रतिष्ठित घरेलू टूर्नामेंट सीके नायडू ट्रॉफी और स्टेट-ए ट्रॉफी में उपविजेता रही। साथ ही मप्र अंडर-19 टीम ने 20 वर्ष बाद वर्ष 2017-18 में कूच बेहार ट्रॉफी का फाइनल खेला और उपविजेता बनी। संजय, बीसीसीआई के लेवल-2 क्रिकेट कोच हैं।

काउंटी चैंपियनशिप के तीन मैचों में खेलेंगे चहल

कैंटरबरी,(एजेंसी)। एशिया कप और वनडे विश्व कप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुने गए लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने काउंटी चैंपियनशिप के तीन मैचों में खेलने के लिए इंग्लिश काउंटी टीम कैंट के साथ अनुबंध किया है। चहल कैंट के नॉटिंघमशर और लंकाशर के खिलाफ होने वाले घरेलू मैच तथा समरसेट के खिलाफ उसके मैदान पर होने वाले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।

सैफ चैंपियनशिप: भारत सेमीफाइनल में पहुंचा

थिम्पू,(एजेंसी)। भारत ने सैफ अंडर-16 चैंपियनशिप के ग्रुप ए मुकाबले में नेपाल को 1-0 से हरा कर शीर्ष स्थान हासिल करने के साथ सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भूटान के चांगलिमिथांग स्टेडियम में भारतीय टीम ने नेपाल के खिलाफ प्रभावी प्रदर्शन किया। भारत की ओर से एकमात्र विजयी गोल पहले हाफ में मोहम्मद अरबाश ने बनाया था।

एशियाई खेलों की मशाल रिले आठ सितंबर से

हांगझू,(एजेंसी)। चीन के हांगझू एशियाई खेलों के लिए मशाल रिले आठ सितंबर को वेस्ट लेक के पास शुरू होगी। हांगझू एशियाई खेलों के मुख्य मीडिया सेंटर में बुधवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की गई। मशाल रिले अपने अंतिम चरण को पूरा करने के लिए 20 सितंबर को हांगझू लौटने से पहले झेजियांग प्रांत के 11 शहरों हुझोउ, जियाक्सिंग, शाओक्सिंग, निंगबो, झोउशान, ताइझोउ, वेनझोउ, लिशुई, जिंहुआ और क्यूझोउ से होकर गुजरेगी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी चाइना ओपन से बाहर

चांगझाऊ,(एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पहले दौर में हारने के साथ ही चाइना ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती खत्म हो गई। दूसरी रैंकिंग वाली भारतीय जोड़ी को दुनिया की 13वें नंबर की इंडोनेशियाई टीम मोहम्मद शोहिबुल फिकरी और मौलाना बागास ने 21-17, 11-21, 21-17 से हराया।

मिश्रित युगल में एन सिक्की रेड्डी और रोहन कपूर भी पहले दौर में मलेशिया के चेन तांग जी ओर तोह ई वेइ से 15-21, 16-21 से हार गए। भारत का कोई भी खिलाड़ी दूसरे दौर में नहीं पहुंच सका। विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक

विजेता एच एस प्रणय भी पहले दौर में मलेशिया के एंग जी योंग से हार गए थे। वहीं राष्ट्रमंडल खेल चैम्पियन लक्ष्य सेन भी पहले दौर में ही डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन से हार गए थे।

एशियाई टेटे चैंपियनशिप में कांस्य पदक के साथ भारतीय टीम के सफर का अंत

प्योंगचांग,(एजेंसी)। एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2023 के सेमीफाइनल में मिली हार के बाद भारतीय पुरुष टीम को कांस्य पदक के साथ संतोष करना पड़ा।

कोरिया गणराज्य के प्योंगचांग में खेली जा रही प्रतियोगिता में कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन शरत कमल को चुआंग चिह-युआन से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे मैच में साथियान गणानाशेखरन भी अपनी चुनौती को पार करने में असफल रहे और लिन युन-जू से 0-3 से हार गए। कांटे की टक्कर वाले मैच में, हरमीत देसाई ने अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन काओ चेंग-जुई से 1-3 से हार गए। भारतीय टीम ने सोमवार को सिंगापुर को 3-0 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाकर पदक पक्का कर लिया था। इससे पहले, मनिका बत्रा, अहिका मुखर्जी और सुतीर्था मुखर्जी की भारतीय महिला टीम 5-6 पोजीशन के प्ले-ऑफ मैच में थाईलैंड से 0-3 से हारकर छठे स्थान पर रही।

विश्वकप के बाद भी भारतीय टीम के कोच बने रहेंगे राहुल द्रविड़?

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का दो साल का अनुबंध वनडे विश्वकप के बाद समाप्त हो जाएगा और अगर भारत इसे जीतने में सफल रहता है तो यह देखना दिलचस्प होगा कि द्रविड़ को आगे भी इस पद पर बनाए रखा जाएगा या नहीं। भारत यदि खिताबी मुकाबले में नहीं पहुंच पाता है तो इसकी गाज द्रविड़ पर गिर सकती है क्योंकि टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने को बड़ी उपलब्धि नहीं माना जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ऐसे में नए कोच की तलाश कर सकता है। यह देखना भी दिलचस्प है कि अगर बीसीसीआई द्रविड़ के सामने नया अनुबंध पेश करता है तो क्या वह इसके इच्छुक होंगे या नहीं। क्रिकेट पंडितों का मानना है कि अगर द्रविड़ कोच पद पर बने रहने के इच्छुक होते हैं तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखलाओं के लिए इस पद पर बनाए रखना चाहिए। विश्वकप के अगले चक्र से पहले टेस्ट और सीमित ओवरों के प्रारूपों के लिए अलग-अलग कोच रखने में कोई बुराई नहीं है जैसा कि अभी इंग्लैंड कर रहा है। द्रविड़ की जगह कोच पद के लिए आशीष नेहरा अच्छी पसंद हो सकते हैं क्योंकि आईपीएल में वह काफी सफल रहे हैं लेकिन इस पूर्व तेज गेंदबाज के करीबियों के अनुसार उनकी राष्ट्रीय टीम का कोच बनने में दिलचस्पी नहीं है क्योंकि गुजरात टाइटंस के साथ उनका अनुबंध 2025 के सत्र तक है। बीसीसीआई के एक पूर्व पदाधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, अगर भारत विश्वकप जीत जाता है तो द्रविड़ हो सकता है एक बड़े खिताब के साथ अपने कार्यकाल का अंत करना पसंद करें। लेकिन अगर आप मुझसे पूछ रहे हो तो मेरा मानना है कि विश्वकप के बाद बीसीसीआई को सभी प्रारूपों के लिए अलग-अलग कोच रखने चाहिए। उन्हें द्रविड़ को टेस्ट टीम का कोच बने रहने के लिए कहना चाहिए। द्रविड़ को रवि शास्त्री की जगह मुख्य कोच नियुक्त किया गया था लेकिन वह सीमित ओवरों की क्रिकेट में ऐसी कोई खास छाप नहीं छोड़ पाए जिससे कि यह कहा जा सके कि वह चतुर रणनीतिकार हैं। ऐसी स्थिति में बीसीसीआई अलग प्रारूपों के लिए अलग-अलग कोच रखने के विकल्प पर विचार कर सकता है।

वनडे वर्ल्ड कप — आठ सितंबर से सभी मैचों के टिकटों की बिक्री होगी शुरू

चार लाख टिकट जारी करेगा बीसीसीआई

मुबंई, (एजेंसी)। क्रिकेट विश्व कप को लेकर देश में दिनोदिन बढ़ रही दीवानगी से संजीदा बीसीसीआईने टिकट बिक्री के अगले चरण में आठ सितंबर से चार लाख टिकट जारी करने का ऐलान किया है।

बीसीसीआई द्वारा बुधवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के लिए टिकटों की उच्च मांग से बीसीसीआई पूरी तरह वाकिफ है और मेजबानी करने वाले राज्य संघों के साथ चर्चा के बाद बीसीसीआई ने इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट के लिए लगभग 400,000 टिकट जारी करने की घोषणा की है। इसका मकसद अधिक से अधिक उत्साही क्रिकेट प्रशंसकों को शामिल करना और इस ऐतिहासिक आयोजन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है।

विज्ञप्ति के अनुसार दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमी अब साल के क्रिकेट महाकुंभ को देखने के लिए अपनी सीटें सुरक्षित कर सकते हैं। प्रशंसकों को अपने टिकट सुरक्षित करने के लिए तुरंत कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि इस आयोजन में अत्यधिक वैश्विक रुचि को देखते हुए टिकटों की भारी मांग होने की उम्मीद है। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 के सभी मैचों के लिए टिकटों की सामान्य बिक्री आठ सितंबर को भारतीय समयानुसार रात आठ बजे से शुरू होगी। प्रशंसक आधिकारिक टिकटिंग वेबसाइट पर जाकर टिकट खरीद सकते हैं। प्रशंसकों को अगले चरण में टिकटों की आगे की बिक्री के बारे में उचित समय पर सूचित किया जाएगा।

गिल व किशन वनडे करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

दुबई। एशिया कप में शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और ईशान किशन ने बुधवार को जारी आईसीसी वनडे रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की। नेपाल के खिलाफ सोमवार को 67 रनों की नाबाद

पारी खेलने वाले शुभमन गिल 750 रेटिंग अंकों के साथ आईसीसी वन डे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि पाकिस्तान के खिलाफ 82 रन की ठोस पारी खेल कर इशान किशन ने 624 रेटिंग अंकों के साथ 24वां स्थान हासिल किया है। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 652 रेटिंग अंकों के साथ गेंदबाजों की सूची में आठवें स्थान पर हैं जबकि कुलदीप यादव 12वें और जसप्रीत बुमराह 35वें स्थान पर काबिज हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम शीर्ष पर हैं वहीं गेंदबाजों की सूची में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड शीर्ष पर हैं। ऑलराउंडरों की सूची में हार्दिक पंड्या शीर्ष 20 में शामिल अकेले भारतीय क्रिकेटर हैं। वह 220 रेटिंग अंकों के साथ दसवें स्थान पर हैं। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन इस सूची में शीर्ष पर काबिज हैं।

बजरंग को मानहानि मामले में मिली राहत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने आपराधिक मानहानि के एक मामले में पहलवान बजरंग पूनिया को राहत देते हुये उन्हे निजी रूप से पेश होने की छूट प्रदान की है। कुश्ती कोच नरेश दहिया ने पूनिया के खिलाफ आपराधिक मानहानि की याचिका दायर की थी। उनका आरोप है कि भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ धरने के दौरान पूनिया ने दस मई को एक प्रेस कांफ्रेंस में उनके खिलाफ अपमानजनक बयानबाजी की थी। इस मामले में पूनिया के वकील ने अदालत से गुहार लगायी थी कि उनके मुवक्किल को बुखार है और वह निजी तौर पर अदालत में पेश नहीं हो सकता है जिसे मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट यशदीप चहल की अदालत ने स्वीकार कर लिया। मामले की अगली सुनवाई 14 सितंबर को होगी।

जी20 सम्मेलन की सुरक्षा करेगा सेना का काउंटर ड्रोन सिस्टम

नई दिल्ली। दिल्ली में 9-10 सितंबर को होने वाली जी-20 समिट की सुरक्षा भारतीय सेना का खोजी दस्ता और बम निरोधक दस्ता करेगा। सेना सूत्रों के मुताबिक सेना ने ड्रोन के जरिए होने वाले संभावित हमलों को रोकने के लिए काउंटर-ड्रोन सिस्टम भी तैनात किया है। इसके अलावा जी-20 सम्मेलन के 2 दिनों तक चलने वाले मुख्य आयोजन में दिल्ली पुलिस के जवानों और वॉलेंटियर्स समेत 40 हजार लोगों की ड्यूटी लगाई गई है। उधर, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी राष्ट्रपति के जी-20 डिनर में शामिल होंगी। डिनर 9 सितंबर को होना है।

120 से ज्यादा फ्लाइट्स पर होगा असर : 8-10 सितंबर के दौरान लगभग 120 उड़ानें प्रभावित होने की संभावना है। डायल राजधानी में इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को ऑपरेट करता है। यहां से रोजाना लगभग 1,300 फ्लाइट्स चलती हैं। 26 अगस्त को छ्ह्रु ने कहा था कि उसे 8 सितंबर से तीन दिनों के दौरान करीब 160 आने और जाने वाली डोमेस्टिक फ्लाइट्स कैंसिल करने के लिए एयरलाइंस से आवेदन मिले थे।

बम डिफ्यूजल स्क्वॉड-स्निफर डॉग भी तैनात राष्ट्रपति के डिनर में शामिल होंगी ममता बनर्जी

ममता बनर्जी राष्ट्रपति के जी20 डिनर में शामिल होंगी : पश्चिम बंगाल की छ्रू ममता बनर्जी राष्ट्रपति के त20 डिनर में शामिल होंगी। वे डिनर शनिवार को होना है। अधिकारियों ने कहा कि बनर्जी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के निमंत्रण पर नई दिल्ली पहुंचेंगी।

30 से ज्यादा देशों के प्रमुख शामिल होंगे : भारत, ग्रुप के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में जी 20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इसमें 30 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों, यूरोपीय संघ और आमंत्रित अतिथि देशों के अधिकारियों और 14 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के भाग लेने की संभावना है।

भारत मंडपम में लगी 27 फीट की नटराज प्रतिमा 12 करोड़ और 7 महीने में तैयार हुई

मूर्तिकार राधाकृष्ण स्थापति ने बताया कि 18-20 टन वजनी नटराज की ब्रॉन्ज स्टेच्यू बनाने के लिए लॉस्ट-वैक्स कास्टिंग मैथड का इस्तेमाल किया गया है। इस मूर्ति को पूरा करने में 100 से ज्यादा कलाकारों को सात महीने और लगभग 3.25 लाख घंटे लगे। इसे बनाने में लगभग 10-12 करोड़ का खर्च आया।

दिल्ली में 8 से 10 सितंबर को बंद रहेंगे सभी स्कूल, कॉलेज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी आगामी जी20 शिखर सम्मेलन के लिए विदेशी प्रतिनिधियों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो 8 सितंबर से 10 सितंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी मार्लेना ने सभी स्कूलों, कॉलेजों और कार्यालय को बंद करने की जानकारी दी। आतिशी ने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन के कारण 8 सितंबर से 10 सितंबर तक दिल्ली भर में सभी स्कूल, कॉलेज और कार्यालय बंद रहेंगे। जी20 शिखर सम्मेलन दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। सरकार ने शिखर सम्मेलन के मद्देनजर लगाए गए प्रतिबंधों और यातायात नियमों के संबंध में अधिसूचना पहले ही जारी कर दी है।

एमसीडी ने 3 हजार से ज्यादा पोस्टर हटाए

दिल्ली नगर निगम एमसीडी ने सौंदर्यीकरण अभियान के तहत दीवारों और मकानों-दुकानों, फ्लाईओवर की दीवारों समेत कई जगहों से 3,254 पोस्टर हटाए। इसके अलावा आठ जगहों स्क्रैप मैटेरियल से बनी स्टेच्यू लगाई गई हैं। इसके अलावा पब्लिक वॉल्स पर भारत की सांस्कृतिक विरासत और चंद्रयान-3 की सॉफ्ट-लैंडिंग वाले म्यूरल्स लगाए हैं। एमसीडी ने एक बयान में कहा है कि इस दौरान 1651.5 मीट्रिक टन मलबा और डिमोलिशन वेस्ट भी हटाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट, विदेश मंत्रालय और इंडिया गेट भी रहेगा बंद

दिल्ली-एनसीआर में 8 सितंबर से 10 सितंबर तक पब्लिक हॉलिडे की घोषणा की गई है। उससे पहले 7 सितंबर को जन्माष्टमी की सरकारी छुट्टी है। इतना ही नहीं, कार्मिक मंत्रालय ने पिछले महीने जारी आदेश में कहा था कि जी 20 सम्मेलन के मद्देनजर राजधानी में सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालय भी बंद रहेंगे। इस लिस्ट में सुप्रीम कोर्ट, मेट्रो स्टेशन, दूरदर्शन टावर-1, दूरदर्शन टावर-2, भारत संचार भवन, चुनाव आयोग ऑफिस, विदेश मंत्रालय ऑफिस, केजी मार्ग, आर्ट म्यूजियम, नेशनल साइंस सेंटर, इंडिया गेट और पटियाला हाउस कोर्ट शामिल हैं। इन इमारतों को 8 सितंबर की सुबह 9 बजे खाली करा दिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कूलिंग-ऑफ पीरियड की मांग खारिज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 6 सितंबर (बुधवार) को रिटायर जजों के राजनीतिक पद लेने से पहले 2 साल का कूलिंग-ऑफ पीरियड पूरा करने की मांग को खारिज किया। बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन ने मांग की थी कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों के रिटायरमेंट और राजनीतिक पद लेने में दो साल का अंतर जरूरी होना चाहिए।

काउंसिल के वकील ने कहा कि राजनीतिक पदों का ऑफर देना हमारा काम है। कोर्ट के पास कई संवेदनशील मामले आते है। इन मामलों में कोई प्रावधान ना होने से लोगों के मन में गलत धारणा बनती है। सरकार के दिए हुए पद अगर जज लेते है तो लोगों पर क्या असर पड़ेगा। हम इस पिल का हिस्सा है, इसलिए यह अच्छा लग रहा है। इस बात की सिफारिश चीफ जस्टिस और लॉ कमीशन ने भी की है कि रिटायरमेंट के बाद थोड़ा समय दिया जाना चाहिए।

राजनीतिक पद लेना है या नहीं, ये जज पर निर्भर करता है

जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने कहा- रिटायर्ड जज को कोई पद लेना चाहिए या नहीं, यह उस जज की समझ पर ही छोड़ देना चाहिए। बेंच ने बताया कि वे इस मुद्दे पर नहीं जा सकते कि कोई जज लोकसभा में जा सकता है या राज्यसभा में।

कोर्ट ने पिटिशनर को फटकार लगाई

बेंच ने काउंसिल से पूछा- बहुत सारे ट्रिब्यूनल ऐसे हैं, जहां रिटायर जज ही पोस्ट ले सकते है। चुनाव लड़ना या कोई दूसरा राजनीतिक पद लेने का फैसला सुप्रीम कोर्ट नहीं ले सकता। पिछले कुछ समय में 2 रिटायर्ड जज कुछ ही महीनों में गवर्नर बने है। इस बात का फैसला सरकार पर निर्भर करता है। कोर्ट ने पिटिशनर को फटकार लगाई कि आप लोग किसी विशेष व्यक्ति को राज्यपाल नहीं बनाना चाहते है, इसलिए यह याचिका दाखिल की है। इसी कारण से यह मुद्दा उठाया गया है।

गंभीर बदलावों से गुजर रही है दुनिया : ली कियांग

जकार्ता, (एजेंसी)। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने बुधवार को कहा कि पिछले 10 वर्षों में उनका देश और दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान) दीर्घकालिक अच्छे-पड़ोसी और मित्रता के साथ-साथ सामान्य विकास तथा समृद्धि का सही मार्ग प्रशस्त करने में सफल रहे हैं। श्री कियांग ने इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित 26वें चीन-आसियान शिखर सम्मेलन में आज यह बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया एक सदी में अनदेखे गंभीर बदलावों से गुजर रही है। उल्लेखनीय है कि इन दिनों जकार्ता शिखर सम्मेलन की बैठक चल रही है। पांच सितंबर से शुरु हुआ यह सम्मेलन आठ सितंबर तक चलेगा।

जसकरन सिंह बने केबीसी सीजन 15 के करोड़पति

मुंबई, (एजेंसी)। सोनी टेलीविजन पर प्रसारित होने वाले 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 15 का मंगलवार को जसकरण सिंह के तौर पर पहला करोड़पति मिल गया। जसकरण पंजाब प्रांत में एक छोटे से गांव के रहने वाले हैं और युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। इक्कीस वर्षीय जसकरण प्रतिदिन दो घंटे तक सफर करके अपने कॉलेज जाते हैं क्योंकि वे शिक्षा के महत्व को जानते हैं। घर वापस आकर वह कॉलेज की पढ़ाई, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और केबीसी की तैयारियों में संतुलन बनाए रखते हैं। उनकी सारी मेहनत और समर्पण तब फलीभूत हुई, जब जसकरण ने खुद को सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के सामने बैठा पाया। केबीसी के गौरवशाली मेजबान जसकरण द्वारा शो में लाए गए महत्वाकांक्षा और साहस के बवंडर से मंत्रमुग्ध हुए बिना नहीं रह सके।

बिहार में नाव पलटी, 5 की मौत, कुछ तैरकर बचे

दरभंगा, (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा में नाव हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में दो महिलाएं और तीन बच्चें शामिल हैं। गांव वालों ने पांच लोगों का शव निकाला है। पांच लोगों की मौत की पुष्टि कुशेश्वरस्थान छ्ष्ठह किशोर कुमार ने भी की है. हादसा झाझरा और गढ़ेहपूरा के बीच शाहपुर चौर में हुआ. ग्रामीणों के सहयोग दो महिलाओं का शव निकाल लिया गया है. मामला कुशेश्वरस्थान पूर्वी प्रखंड के महिसौत पंचायत का है. जानकारी के मुताबिक अचानक से आये आंधी तू?ान के कारण नाव बीच चंवर में अनियंत्रित हुआ जिससे ये घटना हुई. स्थानीय लोग अभी भी बचाव कार्य में जुटे हैं.

राजस्थान गुड गवर्नेंस का उत्कृष्ट उदाहरण है: गहलोत

मुख्यमंत्री का भीलवाड़ा दौरा

जयपुर, (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को प्रतिबद्धता के साथ सुशासन देने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सड़क, सामाजिक सुरक्षा, जनहितैषी योजनाओं को पूर्ण रूप से धरातल पर उतारकर राज्य सरकार ने गुड गवर्नेन्स का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। आज राजस्थान की जनकल्याणकारी योजनाओं की चर्चा देशभर में हो रही है। गहलोत बुधवार को भीलवाड़ा के गुलाबपुरा में भीलवाड़ा दुग्ध संघ के नवीन संयंत्र तथा अन्य विकास कार्यों के शिलान्यास-लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

देश में नवीकरणीय ऊर्जा के भंडारण के लिए सब्सिडी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सरकार ने देश में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा देने के के लिए बड़ी बैटरियों के विनिर्माण पर 3760 करोड़ रुपए की सब्सिडी देने का निर्णय किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के निर्णयों की जानकारी देते हुए सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि वर्ष 2030 तक देश की कुल ऊर्जा जरूरतों में कम से कम 50 प्रतिशत की पूर्ति गैर जीवाश्म स्रोतों से सुनिश्चित करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना आवश्यक है। श्री ठाकुर ने कहा कि देश में इस समय पवन ऊर्जा का उत्पादन 40 जीगावाट (40 हजार मेगावाट) और सौर ऊर्जा का उत्पादन 71 जीगावाट (71000 मेगावाट) तक है। इन दोनों स्रोतों का देश के कुल विद्युत उत्पादन में योगदान 15 प्रतिशत है।

यदि पनबिजली को जोड़ दिया जाए तो देश में करीब 25 प्रतिशत बिजली गैर जीवाश्म स्रोतों से बन रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने नवीकरणीय स्रोतों से बनायी जा रही बिजली के भंडारण की व्यवस्था में कमी को दूर करने के लिए 4000 मेगावाट प्रतिघंटा से अधिक क्षमता वाली बैटरियों के विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए 3760 करोड़ रुपये की वाइबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) का प्रावधान किया है।

सरकार की ओर से वीजीएफ का प्रावधान ऐसी परियोजना के लिए किया जाता है जो महत्वपूर्ण होती है पर शुरू में किसी निवेशक के लिए बिना सरकारी सहायता के व्यावहारिक नहीं दिखती । इसके तहत हर यूनिट को पूंजीगत लागत का 40 प्रतिशत तक की सहायता मिलेगी। श्री ठाकुर ने बताया कि बड़ी बैटरी के विनिर्माण पर वीजीएफ की यह सहायता वर्ष 2030-31 तक दी जाएगी।

केंद्र सरकार के खिलाफ हिंसा की थी साजिश

एनआईए का खुलासा

वाराणसी, (ब्यूरो)। वाराणसी समेत यूपी के 5 जिलों में 8 जगहों पर नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने छापेमारी की थी। एनआईए को देश विरोधी गतिविधियों के सबूत मिले हैं। इसके अलावा छात्रों के सहारे प्रतिबंधित संगठन को फिर से खड़ा करने के लिए सीपीआई (माओवादी) नेताओं और कैडरों के भी शामिल होने की बात सामने आई है। एनआईएको कई दस्तावेज भी मिले हैं।

एनआईए ने अब तक संगठन से जुड़े 10 लोगों पर एफआईआर दर्ज की है। वहीं संगठन से जुड़े तमाम नेताओं और संदिग्धों की सूची भी तैयार कर रही है। उधर, छात्रों का आरोप है कि पूछताछ के दौरान एनआईए ने कहा कि बिहार में नीतीश और विपक्षी सरकारों का विरोध क्यों नहीं करते हो। उधर, कार्रवाई के विरोध में छात्र संगठन ने डेढ़ घंटा लंका गेट पर प्रदर्शन किया। छात्रों ने गाना गाया और ढपली बजाई। साथ ही भाषण दिया। छात्रों ने कहा कि भारत सरकार बृजभूषण सिंह के खिलाफ जांच के लिए एनआईए नहीं लगाएगी, बल्कि छात्रों के ऊपर जांच कराएगी। उन्होंने कहा कि हमें नक्सली और आतंकवादी साबित करेगी। जबकि अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। हमारा आतंकवाद से लेना-देना नहीं है। हम संविधान को मानने वाले संगठन हैं। प्रदर्शन की सूचना पर तीन कंपनी पुलिस मौके पर पहुंची। एसीपी भेलुपुर प्रवीन सिंह ने हिदायत दी कि अगर 6.40 बजे जगह खाली नहीं की तो कार्रवाई होगी। इसके बाद छात्रों ने प्रदर्शन खत्म किया।

मणिपुर केस में सुप्रीम कोर्ट से एडिटर्स गिल्ड मेंबर्स को राहत

पुलिस को निर्देश- 11 सितंबर तक पुलिस एक्शन न लें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ईजीआई) के मेंबर्स को मणिपुर सरकार की ओर से दर्ज एफआईआर मामले में राहत दी है। बुधवार को कोर्ट ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि कोर्ट 11 सितंबर से इस पर विस्तार से सुनवाई करेंगे।

कोर्ट ने मणिपुर पुलिस को निर्देश दिए- तब तक एडिटर्स गिल्ड के मेंबर्स के खिलाफ कोई एक्शन न लें। एडिटर्स गिल्ड बुधवार को ही मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईजीआई ने कोर्ट से दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा की मांग की थी। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में तीन जजों की बेंच ने मामले पर सुनवाई की।

कोर्ट में क्या-क्या हुआ...

एडिटर्स गिल्ड के वकील श्याम दीवान- ईजीआई ने 7 से 10 अगस्त के बीच राज्य का दौरा करने और पीड़ितों से बातचीत के आधार पर रिपोर्ट तैयार की गई थी। रिपोर्ट में आई गलतियों को तुरंत ठीक कर लिया गया था। एडिटर्स गिल्ड के वकील श्याम दीवान- 2 सितंबर को रिपोर्ट जारी होने के बाद मणिपुर पुलिस ने दो एफआईआर दर्ज की थीं। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने सोमवार को एक पीसी कर एडिटर्स गिल्ड के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर की जानकारी दी। दरअसल, 4 सितंबर को मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने बताया कि हमने ईजीआई प्रेसिडेंट सीमा मुस्तफा, सीमा गुहा, भारत भूषण और संजय कपूर पर एफआईआर कराई है। ईजीआई अपनी रिपोर्ट्स के जरिए झूठ फैला रहा है और गलत तथ्य पेश कर रहा है। इससे राज्य में हिंसा और तनाव बढ़ सकता है। बीरेन सिंह ने कहा कि ईजीआई के इन सदस्यों को किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पूर्व राज्य के सभी समुदायों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करनी चाहिए थी, न कि गिनती के लोगों से मिलकर किसी नतीजे पर पहुंचना था।

गुजरात हाईकोर्ट ने 12 साल की लड़की को दी गर्भपात की अनुमति

पिता ने किया था बलात्कार, 27 सप्ताह का है भ्रूण

अहमदाबाद, (एजेंसी)। गुजरात उच्च न्यायालय ने 12 वर्षीय उस लड़की को करीब 27 सप्ताह का गर्भ गिराने की बुधवार को अनुमति दे दी, जिसके साथ उसके पिता ने कथित तौर पर बलात्कार किया था। न्यायमूर्ति समीर दवे ने वड़ोदरा स्थित सर सयाजीराव गायकवाड़ अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट पर गौर किया, जिन्होंने चिकित्सकों के एक पैनल से पीड़िता की मेडिकल जांच कराने का चार सितंबर को निर्देश दिया था। 27 सप्ताह का है भ्रूण : अदालत ने अपने आदेश में कहा कि याचिका स्वीकार की जाती है। प्रतिवादी संख्या 3 को पीड़िता की गर्भावस्था आज से एक सप्ताह की अवधि के अंदर समाप्त करने का निर्देश दिया जाता है।

जापान की चंद्रमा मिशन आज शुरू होगा, चांद तक पहुंचने में कम से कम चार महीने लगेंगे

टोक्यो, (एजेंसी)। चंद्रयान 3 की सफलता के बाद दुनियाभर की स्पेस एजेंसी मून मिशन के लिए तैयार है। अब तक चार देश- अमेरिका, रूस, चीन और भारत चांद पर अपने मिशन उतार पाए हैं। अगली कोशिश करने जा रहा है जापान। जापान एयरोस्पेस एक्स्प्लोरेशन एजेंसी यानी जाक्सा गुरुवार 7 सितंबर की सुबह अपना मून मिशन लॉन्च करेगी। जापान का मून मिशनः यह मिशन अगस्त के आखिरी हफ्ते में होना था, लेकिन मौसम ने साथ नहीं दिया। चंद्रमा की सतह पर लैंडिंग की जापान की यह पहली कोशिश होगी। हालांकि मई महीने में एक प्राइवेट जापानी कंपनी ने चांद पर मिशन लैंड कराना चाहा था, जो नाकामयाब हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार, जापानी स्पेसक्राफ्ट का नाम है स्लीम जिसे विस्तार में स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून कहते हैं। चंद्रयान-3 के मुकाबले यह काफी छोटा है। महज 200 किलो का। चंद्रयान-3 का विक्रम लैंडर 1750 किलो का था। जापान के मून मिशन का मकसद भी चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करना है। जाक्सा ने 100 मीटर की साइट चुनी है, जहां 'स्लिम' स्पेसक्राफ्ट को उतारने की कोशिश की जाएगी। हालांकि मिशन की लैंडिंग में जाक्सा को 4 से 6 महीने लग सकते हैं।

मुश्किल में परमहंस आचार्य, डीएमके ने दर्ज कराई एफआईआर

चेन्नई, (एजेंसी)। डीएमके नेता ने बुधवार को अयोध्या के एक संत के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। यह एफआईआर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन पर परमहंस आचार्य की ओर से इनाम घोषित करने को लेकर हुई है। महंत का वीडियो पोस्ट करने पर उत्तर प्रदेश के पत्रकार पीयूष राय के खिलाफ भी मामला दर्ज हुआ है। शिकायतकर्ता का नाम जे देवसेनन है जो छ्स्र्य के पदाधिकारी हैं। उन्होंने मदुरै में साइबर अपराध पुलिस में यह रिपोर्ट लिखवाई है।

पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, मौत की धमकी देने और इसके वीडियो को रिकॉर्ड करने व पोस्ट करने पर गुस्सा जताया गया है। इसमें कहा गया कि इससे तमिलनाडु के लोगों में दहशत और भय पैदा हुआ और सांप्रदायिक दंगे होने का खतरा है।

अक्षय ने अपनी फिल्म में इंडिया नाम हटाया अब 'मिशन रानीगंज: द ग्रेट भारत रेस्क्यू'

नई दिल्ली। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने अपनी फिल्म 'द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू' का नाम बदलकर 'मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेस्क्यू' कर दिया है। ये बदलाव देश का नाम इंडिया से भारत रखने की चर्चा के बीच किया गया है। इसके पहले अमिताभ बच्चन भी सोशल मीडिया पर भारत माता की जय लिखकर अपनी राय दे चुके हैं।

इस फिल्म का पहला मोशन पोस्टर भी अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया है। टीजर में आप उन्हें माइनिंग इंजीनियर जसवंत सिंह गिल के अवतार में देख सकते है। ये फिल्म जसवंत और उनकी बहादुरी की कहानी पर आधारित है। साल 1989 में जसवंत ने जमीन से 350 फीट नीचे फंसे 65 माइनर्स को बचाया था। ये घटना बिहार के रानीगंज में हुई थी, जिसे मिशन रानीगंज के नाम से भी जाना जाता है। पहले इस फिल्म का नाम 'द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू' रखा गया था। लेकिन अब नए वीडियो के साथ अक्षय ने फिल्म के नए नाम 'मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेस्क्यू' का ऐलान कर दिया है। फिल्म का पहला टीजर गुरुवार, 7 सितंबर को रिलीज किया जाने वाला है। ये पहली बार नहीं है कि अक्षय कुमार की इस फिल्म का नाम बदला गया हो। पिछले साल इस फिल्म का ऐलान किया गया था। तब इसका नाम 'कैप्सूल गिल' रखा गया था। इसके बाद ये 'द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू' और अब 'मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेस्क्यू' हो गई है।

इसी के साथ फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान भी कर दिया गया है. अक्षय कुमार की ये फिल्म 6 अक्टूबर को दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'मिशन रानीगंजः द ग्रेट भारत रेस्क्यू' में अक्षय कुमार के साथ एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा भी नजर आएंगी. इससे पहले दोनों की जोड़ी को फिल्म 'केसरी' में देखा गया था. 2019 में आई इस फिल्म में अक्षय कुमार ने सिख क्रांतिकारी की भूमिका निभाई थी। अक्षय की नई फिल्म का निर्देशन टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं. इसे पूजा एंटरटेनमेंट के प्रोडक्शन बैनर तले बनाया जा रहा है। जैकी श्रॉफ ने देश का नाम बदलने पर कहा : कुछ दिनों से चर्चा हो रही है कि देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत किया जाने वाला है।

आज का इतिहास

- 1606: जर्मनी, इंग्लैंड और नीदरलैंड ने फ्रांस विरोधी डील पर साइन।
- 1812: बोरोडिनो के युद्ध में नेपोलियन ने रूसी सेना को हराया।
- 1813: अमेरिका के लिए पहली बार 'अंकल सैम' का सम्बोधन हुआ।
- 1822: ब्राजील ने पुर्तगाल से अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1860: लेडी एलगीन जहाज लेक मिसीगन डूबा, 400 लोगों की मौत।
- 1906: बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना।
- 1921: अमेरिका के न्यू जर्सी में पहली मिस अमेरिका सौंदर्य स्पर्धा आयोजित।
- 1923: विएना में इंटरपोल की स्थापना
- 1931: लंदन में गोलमेज सम्मेलन का दूसरा सत्र शुरू हुआ।
- 1950: हंगरी में सभी मठों को बंद
- 1977: इथोपिया ने सोमालिया से राजनयिक संबंध तोड़े।

Filmiतड़का

शाहरुख की जवान आज होगी रीलीज पहले ही दिन 76 करोड़ की करेगी कमाई

मुंबई।'पठान' के बाद अब शाहरुख खान 'जवान' से थिएटर्स में जनता के दिल लूटने आ रहे हैं. इस फिल्म के लिए सिनेमा फैन्स का क्रेज तभी से जोरदार चल रहा था, जब 'पठान' भी रिलीज नहीं हुई थी. साल की शुरुआत में शाहरुख ने 'पठान' से कमबैक किया और बॉलीवुड फिल्मों के इतिहास में सबसे तगड़ी कमाई कर डाली। और 'जवान' की रिलीज के लिए जो माहौल है। उससे लग रहा है कि 'पठान' के रिकॉर्ड भी बहुत जल्द टूटने वाले हैं। बीते गुरुवार 'जवान' का ट्रेलर आया और फिल्म का भौकाल चरम पर पहुंच गया। अब इस गुरुवार को फिल्म की ओपनिंग हो रही है। जो सुबह पांच बजे से रिलीज होगी। फिल्म की एडवांस बुकिंग से शाहरुख खान की फिल्म पहली दिन सबसे अधिक कमाई करने वाली पहली फिल्म होगी। क्योंकि पहले दिन शाहरुख की फिल्म 75 से 76 करोड़ रुपए कमाएगी, जो अबतक का फिल्म के पहले दिन सर्वाधिक कमाई वाली फिल्म बन जाएगी।

फिल्म फुकरे 3 का ट्रेलर रिलीज, 28 को पर्दे पर

मुंबई। वरुण शर्मा, पुलकित सम्राट, पंकज त्रिपाठी और ऋचा चड्ढा स्टार फुकरे 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनी फिल्म 'फुकरे-3' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में पुलकित सम्राट, मनजोत सिंह, वरुण शर्मा की जोड़ी सबको हंसाएगी। ऋचा चड्ढा भी बोली पंजाबन बनकर लौट आई हैं। फिल्म में पंकज त्रिपाठी कॉमेडी का जबरदस्त तड़का लगाते हुए नजर आए।फिल्म का ट्रेलर कॉमेडी से भरपूर है। मृगदीप सिंह लांबा के निर्देशन में बनी फुकरे वर्ष 2013 में रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म में पुलकित सम्राट, अली फजल, ऋचा चड्ढा, प्रिया आनंद, मंजोत सिंह, वरुण शर्मा, पंकज त्रिपाठी जैसे कई सितारे लीड रोल में थे। फुकरे के 04 साल बाद 2017 में फुकरे रिटर्न रिलीज हुई थी। अब पूरे 05 साल बाद फिल्म का तीसरा पार्ट रिलीज हो रहा है। हालांकि इस पार्ट में अली फजल नजर नहीं आएंगे।'फुकरे-3' 28 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

13 सूत्रीय मांगो को लेकर विद्युत कर्मियों ने अधीक्षण अभियंता का किया घेराव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। विद्युत मजदूर पंचायत के बैनर तले विद्युत कर्मियों ने अपनी 13 सूत्रीय मांगो को लेकर अधीक्षण अभियंता का घेराव किया। जिसमे विद्युत मजदूर पंचायत के प्रांतीय महामंत्री निर्भय नारायण सिंह ने बताया कि अधीक्षण अभियंता के पास विद्युत मजदूर पंचायत के प्रतिनिधियों द्वारा कई बार मिलकर कर्मचारी समस्याओं से अवगत कराया, लेकिन अधीक्षण अभियंता द्वारा कभी भी गंभीरता से उन समस्याओं को नही लिया गया बल्कि संगठन प्रतिनिधियों द्वारा कर्मचारी समस्याओं को कई बार मिलकर मौखिक रूप से अवगत कराए जाने से इनके द्वारा संगठन से नाराजगी भी जाहिर की गई। जिससे संगठन को यह स्पष्ट हो रहा है की इनका कर्मचारी समस्याओं से कोई लेना देना नही है और न ही इनके द्वारा किसी समस्या को निस्तारित कराने में कोई रुचि है जिसमे प्रबंध के प्रति विद्युत कर्मचारियों में काफी आक्रोश है।

वही प्राइवेट मीटर रीडरो को 20 माह से ईपीएफ खाते में नही गया है एवं उपकेंद्र पर कार्यरत संविदा कर्मियों के भी खाते में कई माह से ईपीएफ कटौती नही की जा रही है इसकी जांच कराई जाय। शासन के निर्देशों को ताक पर रखकर अधिकारियों एवं ठेकेदारों द्वारा गरीब मजदूरों का पैसा लूटा जा रहा है। वही प्राइवेट मीटर रीडरो को वर्तमान स्टर्लिंग एजेंसी से पूर्व तत्कालीन एनसाफ्ट कंपनी ने मीटर रीडरो को नियुक्त करने से पूर्व 15,15 हजार का डीडी लिया था और तत्कालीन एंसॉफ्ट कंपनी ने मीटर रीडरो को अवगत कराया था कि कंपनी द्वारा कार्य छोड़ने के समय 15,15 हजार का डीडी वापस कर दिया जायेगा लेकिन लगभग दो वर्ष बाद भी अभी तक डीडी वापस नही किया गया। जिसमे साफ प्रदर्शित होता है की इन गरीब मजदूरों का पैसा विभागीय अधिकारियों एवं कंपनी की मिलीभगत द्वारा डकार लिया गया। वही अधीक्षण अभियंता कार्यालय परिसर में चार एयर कंडीशनर निविदा करके लगवाया गया है लेकिन खंडों के द्वारा आपके कार्यालय को पत्र के द्वारा सूचित करने के बाद भी खंडों में एयर कंडीशनर की व्यवस्था नही कराई गई यह भेदभाव उचित नहीं है। वही जिला संरक्षक शिवदर्शन सिंह ने बताया कि विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की सांकेतिक हड़ताल जो मार्च 2023 में हुई थी जिसमे जनपद से 37 कर्मचारियों को कार्य पर न दिखाकर कार्य से हटा दिया गया था। जिसमे तमाम संविदा कर्मियों ने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया जिस पर अवर अभियंता, उपखंड अधिकारी, तहसीलदार की रिपोर्ट प्रस्तुत हुई। जिसमे उन लोगो को प्राप्त दस्तावेज के आधार पर कार्य पर बताया गया है परंतु इन संविदा कर्मियों को अभी तक नही रखा गया है जिसमे तत्काल सभी संविदा कर्मियों को कार्य पर रखा जाय।

वही किसी भी खंड कार्यालय, उपखंड कार्यालय, एवं सभी उपकेंद्रों पर ना हो बैठने की व्यवस्था है ना ही शौचालय, पानी की व्यवस्था है और ना ही साफ सफाई होती है। वही विद्युत दफ्तरों में रिकार्ड रखे जाने की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण दीमक लगता जा रहा है। जिससे रिकार्ड के जल्द ही खराब होने की पूरी संभावना है।जिसमे विद्युत कर्मी मानसिक रूप से तनाव में ड्यूटी करते हैं। वही अधिशाषी अभियंता जमानिया हेमंत सिंह द्वारा आए दिन तुगलकी फरमान से अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को बेवजह आर्थिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहते हैं चाहे मीटर रीडर हो संविदा कर्मी हो या फिर कोई बाबू हो सबके साथ इनके द्वारा दुर्व्यवहार किया जाता है जिसमे इस अधिशाषी अभियंता के प्रति विद्युत कर्मियों में काफी तनाव की स्थिति बनी हुई है। हम मांग करते है कि ऐसे अधिकारियों को अपने स्तर से समझा दिया जाय नही तो संगठन जब आंदोलन करेगा तो फिर जमानिया से इनको जाना पड़ेगा। घेराव में जिला अध्यक्ष अरविंद कुशवाहा, जिला मंत्री विजयशंकर राय, मंडल अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव सहित सैकड़ों की संख्या में विद्युत कर्मी मौजूद रहे।

काशी हिंदू विश्वविद्यालय के डॉ. भगवान दास छात्रावास में हर्षोउल्लास के साथ छात्रों ने मनाया श्री कृष्ण जन्माष्टमी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित विधि संकाय के डॉ.भगवान दास छात्रावास में बड़े ही हर्षोउल्लास के साथ छात्रों द्वारा मनाया गया श्री कृष्ण जन्माष्टमी` कार्यक्रम की भव्यता बी.एच.यू. विधि संकाय प्रमुख प्रोफेसर सी.पी. उपाध्याय, प्रशाशनिक संरक्षक डॉक्टर वी.के. सरोज, संरक्षक डॉक्टर प्रदीप कुमार और छात्रावास की सांस्कृतिक समिति की लगन को दर्शाती है कुलपति के आगमन बाद छात्रों कों उनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ काशी हिंदू विश्वविद्यालय, विधि संकाय के छात्र और ज्ञानवापी मामले के अधिवक्ता अनुपम द्विवेदी ने अपने अनुजो का बहुत उत्साहवर्धन किया` कई वर्ष बाद हुए इस कार्यक्रम ने छात्रों को भविष्य के लिए काई व्यवहारिक संदेश दिए हैं और जजों की फैक्ट्री के तौर पर स्थापित डॉ.भगवान दास छात्रावास के सिर पर एक नया सिरमौर स्थापित किया है।

हिन्दू धर्म के आस्था के साथ खिलवाड़ नहीं होगा बर्दाश्त : प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जखनियां गाजीपुर के कार्यकताओं ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारी वाले मच्छरों से करने के बाद सनातन धर्म को समाप्त करने की बात की कड़ी निंदा किया और इस टिप्पणी पर स्टालिन से माफी मांगने की मांग की। उक्त अवसर पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा कि उदयनिधी स्टालिन ने हिन्दूधर्म को मानने वाले 100 करोड़ लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाया है। सनातन पुरातन है, जिसका न आदि है न अंत है। यह लोगों के रगों में बसा हुआ धर्म है, इसको समाप्त करने वाले लोग भारत में आए और खुद समाप्त होकर चले गए। चाहे मुगल हो, अंग्रेज हो या वर्तमान में अंग्रेजों के तथाकथित जो भारत में काले वंशज हो सनातन को हर बार बदनाम करने का प्रयास किया, परंतु उनका अस्तित्व खुद समाप्त हो गया। वर्मा ने कहा कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के कई ऐसे दल हैं जो लगातार हिंदू धर्मग्रंथ एवं हिंदू धर्म पर आस्था रखने वाले लोगों के प्रति अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। सपा के स्वामी प्रसाद मौर्य हो, कांग्रेस कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर हो, मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक एम खड़गे हो, ए राजा हो या वामपंथी दल के लोग हो, लगातार हिंदू धर्म के आस्था के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं जो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वर्मा ने कहा ऐसे असंवैधानिक टिप्पणी करने वाले लोगों के बयान को कोर्ट संज्ञान लेकर खुद कार्रवाई करें, अन्यथा जिस दिन इस देश की 100 करोड़ जनता इनके खिलाफ खड़ी हो जाएगी तो इनका बचना मुश्किल हो जाएगा। भारत मे हर धर्म का सम्मान है और धर्म का अपमान करने वालो के खिलाफ कड़ी कारवाई होनी चाहिये। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष उमाशंकर यादव, व्यापारी नेता अशोक गुप्ता, धीरेंद्र सिंह, धर्मवीर राजभर, पीयूष सिंह, धर्मेंद्र चौरसिया, राजेश जायसवाल, वरुण पांडेय, रवि भारद्वाज, धर्मेंद्र कुशवाहा, शिव शंकर चौहान, शिव सिंह, उमाशंकर राजभर, नलनिश सिंह सहित प्रमुख लोग मौजूद रहे।

जेसीआई सप्ताह के चेयरमैन बने हफीज शाह व को-चेयरमैन रंजीत सिंह सोनू

प्रखर जौनपुर। अग्रणी समाजसेवी संस्था जेसीआई जौनपुर द्वारा सितंबर माह में जेसी सप्ताह का आयोजन किया जाता है जिसमें पूरे सप्ताह भर प्रतिदिन सामाजिक सेवा से जुड़े हुए कई कार्यक्रम होते हैं जो कि समाज को एक सही दिशा व दशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिसके लिए संस्थाध्यक्ष जेसी दिलीप सिंह की उपस्थिति में एक साधारण सभा का आयोजन किया गया। जोन अधिकारी गौरव सेठ ने 9 से 15 सितंबर तक होने वाले जेसी सप्ताह में किये जाने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। मंडलाध्यक्ष राधे रमण जायसवाल व आलोक सेठ के निर्देशन में जेसीआई सप्ताह के लिए सप्ताह चेयरमैन का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ। जेसी हफीज शाह को सप्ताह चेयरमैन व रंजीत सिंह सोनू को को-चेयरमैन बनाया गया। सप्ताह चेयरमैन की स्वीकृति के बाद जोन अधिकारी धर्मेंद्र सेठ, मंच व सदन के सदस्यों ने चयनित चेयरमैन व को चेयरमैन को बधाई दी। कार्यक्रम का सफल संचालन सचिव आकाश केसरवानी ने किया। इस अवसर पर पूर्व मंडलाध्यक्ष राधे रमण जयसवाल, आलोक सेठ व जोन अधिकारी गौरव सेठ व धर्मेंद्र सेठ, पूर्व अध्यक्ष कृष्ण कुमार जायसवाल, संजय गुप्ता, रत्नेश गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष संदीप पाण्डे, उपाध्यक्ष रमेश श्रीवास्तव, दिलीप जायसवाल, प्रदीप सिंह, सौरभ बरनवाल, राजकुमार जायसवाल, विशाल मनीष तिवारी, नीरज श्रीवास्तव, सन्तोष अग्रहरि, अजय नाथ जायसवाल, डॉ आनंद प्रकाश, शुभम जायसवाल, अभिषेक अग्रहरि, प्रशांत सिंह लकी, अभिषेक बैंकर, संदीप जायसवाल, अंजनी प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

भाजयुमो जिलाउपाध्यक्ष सत्यम शुक्ला का पहल लाया रंग, क्षेत्र को मिल रही अच्छी बिजली

प्रखर फाजिलनगर कुशीनगर। क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती की मिल रही शिकायत के बीच विधायक सुरेंद्र सिंह कुशवाहा व भाजयुमो के जिलाउपाध्यक्ष सत्यम शुक्ला ने 4 सितंबर को विद्युत उपकेंद्र पर पहुंचकर बिजली आपूर्त्ति का हाल जाना। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए चेताया कि जल्द स्थिति में सुधार करें। उसके बाद बिजली विभाग की नींद खुली अब क्षेत्र के लोगों को मिल रहा है अच्छी बिजली। फाजिलनगर विद्युत उपकेंद्र से आपूर्त्ति वाले क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती से उपभोक्ता परेशान थे। कभी शट डाउन तो कभी फॉल्ट,कभी मेन सप्लाई बंद,आंधी,बारिश व कुछ भी नहीं तो फॉल्ट नहीं मिल रहा आदि अनेकों ऐसे कारण हैं जिनका सहारा लेकर बिजली की कटौती की जाती है। इससे पूरे क्षेत्र में छह से सात घंटे भी बिजली नहीं मिल रही थी। जबकि शासन की मंशा 18 घंटे बिजली देने की है। इसके बाद भी अगर सप्लाई मिल भी रहा था तो लोगों को लो वोल्टेज की समस्या झेलना पड़ता था। क्षेत्रीय लोगों द्वारा शिकायत मिलने पर 4 सितंबर को विधायक सुरेंद्र सिंह कुशवाहा व भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाउपाध्यक्ष सत्यम शुक्ला ने बिजली कटौती व उपभोक्ताओं की नाराजगी का संज्ञान लेते हुए स्वयं नगरपंचायत के बिजली उपकेंद्र पर पहुचकर विभाग से आपूर्त्ति की स्थिति को जाना। इनलोगो ने कहा कि 18 घंटे बिजली की आपूर्त्ति सुनिश्चित करना विभाग का काम है। लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। विभागीय मंत्री से बात करके कार्रवाई के लिए कहा जाएगा। इनलोगो के चेताने के बाद बिजली विभाग की नींद खुली और उसी रात्री से अच्छी लाइट देखने को मिल रही है साथ ही लो वोल्टेज की समस्या भी काफी हद तक सही दिख रही है। इस दौरान ग्राम प्रधान नाथापट्टी संजय चौरसिया, ग्राम प्रधान अजय तिवारी, राहुल शुक्ला, विकास गुप्ता,अरविंद कुशवाहा, योगेंद्र कुशवाहा, प्रिंस सिंह राजपूत, जयप्रकाश, बैजनाथ कुशवाहा, संतोष सिंह, अमरेंद्र प्रजापति आदि मौजूद रहे।

केबीसी में पहुंची जौनपुर की अर्चना

बिग बी के सवालों का दिया जवाब, परिवार में जश्न

प्रखर जौनपुर। लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती, कोशिश करने वालों की हार नहीं होती... सदी के महानायक अमिताभ बच्चन को यह पंक्तियां कहते हुए आपने कई बार सुना होगा. इन्हीं पंक्तियों को आत्मसात करते हुए जौनपुर की बेटी अर्चना राहुल उपाध्याय ने अपने ज्ञान की बदौलत सुपरस्टार अमिताभ बच्चन के दुनियाभर में मशहूर रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति में जगह बनाने में कामयाब रहीं. उन्होंने शो तक पहुंचने के लिए कई परीक्षाएं दी और अंत में फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट में सबसे तेज उत्तर देकर वह हॉटशीट पर पहुंचने में कामयाब हो गई. अर्चना ने बताया कि वह 2021 से केबीसी में जाने के लिए प्रयासरत थी. आखिरकार इन 3 वर्षों में मेहनत रंग लाई और मैं शो में पहुंचने में कामयाब हो गई. उन्होंने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने पति डॉ. राहुल उपाध्याय, मां गीता पांडेय और पिता ओंकार पांडेय को दिया है. अर्चना ने एमए बीएड तक की शिक्षा हासिल की है.

हॉटशीट पर पहुंचने के बाद अर्चना ने कम्प्यूटर जी के सवालों का जवाब दिया और उन्होंने 12 लाख 50 हजार रुपए जीता. अर्चना ने बताया कि हमारे पिता जी का सपना था कि वह अमिताभ बच्चन से मिलें, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया लेकिन मैं अपने ज्ञान के दम पर वहां पहुंची और अपने पिता का सपना साकार किया. इन बातों को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता. उनके पति डॉ. राहुल ने बताया कि अर्चना कई वर्षों से पढ़ाई में ध्यान दे रही थी, उस दौरान मुझे लग रहा था कि यह इतनी मेहनत क्यों कर रही है? लेकिन जब पहली बार केबीसी से फोन आया था तो हमें विश्वास ही नहीं हो रहा था. हम जब केबीसी शो पर पहुंचे तो हम दोनों का सपना पूरा हो गया. इस उपलब्धि से हमारे परिवार में खुशी का माहौल है. यह शो बुधवार और गुरुवार की रात 9 बजे सोनी टीवी टेलिकास्ट किया गया था. वर्तमान में डॉ. राहुल नवी मुंबई के तलोजा में रहते हैं. वह मूल रूप से मड़ियाहूं तहसील के इटाएं पड़राव के रहने वाले हैं.

केंद्रीय मंत्री के आवास पर हुई विनय श्रीवास्तव की हत्या के खिलाफ कायस्थ लामबंद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गुरुवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा गाजीपुर की एक आवश्यक बैठक महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव के चंदन नगर स्थित आवास पर आयोजित हुई। इस बैठक में केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर के लखनऊ (दुबग्गा) स्थित आवास पर विनय श्रीवास्तव की हुई हत्या की जांच और हत्यारोपियों की गिरफ्तारी में विलम्ब होने पर आक्रोश जताया और यह आरोप लगाया कि मंत्री कौशल किशोर को बचाने के लिए सरकार के दबाव में प्रशासन जानबूझ कर लीपापोती और विलम्ब कर रहा है। कार्यकताओं ने मंत्री कौशल किशोर को मंत्री पद से बर्खास्त करने की भी मांग किया ताकि प्रशासन निष्पक्ष रूप से जांच कर सके। कार्यकताओं ने कहा कि कौशल किशोर जी के मंत्री रहते निष्पक्ष जांच सम्भव नहीं है। जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यह घटना योगी सरकार के लिए अग्निपरीक्षा है। भाजपा के पक्ष में शत प्रतिशत मतदान करने वाला कायस्थ समाज बहुत ही पैनी नजर से मुख्यमंत्री जी की तरफ देख रहा है कि योगी जी का बुलडोजर इस घटना के आरोपितों पर चलता है कि नहीं? उन्होंने कहा कि यदि इस घटना की सच्चाई का जल्द से जल्द पदार्फाश नहीं किया जाता और हत्यारोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती तो कायस्थ समाज सड़क पर उतरने को मजबूर होगा। उन्होंने पीड़ित विनय श्रीवास्तव के परिवार को एक करोड़ रुपए की आर्थिक मदद और सुरक्षा मुहैया कराने,इस घटना की सीबीआई व न्यायिक जांच कराने और पीड़ित परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की भी मांग किया। इस बैठक में मुख्य रूप से मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव, हरिश्चंद्र गौड़, अमर सिंह राठौर, मोहनलाल श्रीवास्तव, राजेश कुमार श्रीवास्तव,कौशल किशोर, विपिन श्रीवास्तव डब्बू, अमरनाथ श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, शैल श्रीवास्तव, विपिन बिहारी वर्मा, अजय कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। इस बैठक का संचालन जिला महामंत्री अरूण सहाय ने किया।

गुजरात की तरह उत्तर प्रदेश में भी दिया जाय 20000 मानदेय : गिरीश तिवारी

प्रखर वाराणसी। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव गिरीश तिवारी कार्यक्रम में बताया कि हाल में ही गुजरात सरकार वहां के राशन डीलरो को 20000 मानदेय देने का ऐलान किया है।और उसका आदेश भी जारी किया गया है। लेकिन उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अभी तक एक पैसा भी कमीशन नहीं बढ़ाया।हम यह मांग करते हैं कि उत्तर प्रदेश में 20000 मानदेय लागू किया जाय। जिससे कोटेदारों का भरण पोषण आदि हो सकें। क्यों कि उत्तर प्रदेश अन्य प्रदेशों से वितरण आदि व्यवस्थाओं में पहले नम्बर पर है।तथा पूरे देश में सबसे अधिक संख्या मे कोटेदार उत्तर प्रदेश में है 80000 इसके लिए अन्य संगठनों से भी विचार विमर्श किया जा रहा है।जल्द ही एक संयुक्त कार्यक्रम तैयार करके लड़ाई लडी जायेंगी।इसपर सभी संगठन प्रमुखों की संस्कृति प्रदान हो चुका है।जल्द ही लखनऊ में एक साथ बैठकर निर्णय लिया जायेगा।अगर सरकार हमलोगों की मांग नहीं मानतीं है तो एक साथ सभी लोग पूरे प्रदेश में वितरण बन्द कर देंगे।

संक्षिप्त खबरें

मिजार्पुर-सोनभद्र के एम.एल.सी श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह ने जिगना मे हो रहे कुश्ती में पहलवान को ऐसे किया चित्त

प्रखर दानगंज वाराणसी। मिजार्पुर-सोनभद्र के एम.एल.सी श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह जिगना मिजार्पुर में एक कुश्ती प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में पहुचे थे। कुश्ती लड़ रहा पहलवान एम.एल.सी विनीत सिंह से हाथ मिलाया तो अपना हाथ ही नही छुड़ा पाया।इसके बाद और भी कमाल हो गया। जब पहलवान को एम.एल.सी श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत सिंह ने अपना दाव दिखाया चुटकियों में पहलवान को ही चित्त कर दिया। यह वीडियो और फोटो सोशल मीडिया में जम कर वायरल हो रहा है।

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में महिला महाविद्यालय के छात्राओं ने बड़े ही धूमधाम से मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय कैंपस में महिला महाविद्यालय के छात्रावास में छात्राओं द्वारा बड़े ही धूमधाम से मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव` महाविद्यालय के छात्राओं द्वारा कृष्ण की जीवन लीलाओं को जीवन्त झाँकी के माध्यम से प्रदर्शित किया तथा संदेश दिया कि गीता का ज्ञान विश्व कल्याण का ज्ञान है इस अवसर पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो० सुधीर जैन ने छात्राओं को सराहा एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की प्राचार्या प्रो० रीता सिंह ने श्री कृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। उक्त अवसर पर समन्वयिका एवं महिला महाविद्यालय छात्रावास की सभी प्रशासनिक संरक्षिकाय एवं संरक्षिकायें तथा हॉस्टल स्टाफ इत्यादि उपस्थित रहे।

उप जिलाधिकारी ने गौशाला व गो आश्रय केंद्र में मनाया श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पूरे जनपद भर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की धूम मची हुई है। ज्यादातर जगहों पर गत रात को ही जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। जमानिया में उप जिला अधिकारी हर्षित तिवारी, नगर पालिका अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता, नगर पालिका से ही पप्पू राय, पशु चिकित्सालय से बृजेश कुमार, समस्त सभासद की मौजूदगी में गौ माता की पूजा की गई, माला पहनाया गया तथा गोवंशों को गुड और केला खिलाकर कर जन्माष्टमी का पर्व मनाया गया। इसी प्रकार गो आश्रय स्थल मसोंन में भी भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर गौ माता की पूजा अर्चना की गई तथा माला पहनकर गुड और केला खिलाया गया। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश राय, आकाश राय, ग्राम प्रधान, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सचिन सिंह भावरकोल, ग्राम पंचायत सचिव गांव के किसान एवं बच्चे उपस्थित रहे। इस संदर्भ में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया की कान्हा गौशाला जमानिया एवं गौ आश्रय स्थल मसोंन पर जन्माष्टमी का पर्व पारंपरिक रूप से धूमधाम से हर वर्ष मनाया जाता है। जन्माष्टमी के पर्व पर भगवान श्री कृष्ण से जुड़े होने के कारण इस दिन गौ माता की विशेष पूजा अर्चना किए जाने की परंपरा है।

रिमझिम बारिश के बीच थाना लंका पर धूमधाम से मनी श्री कृष्ण जन्माष्टमी

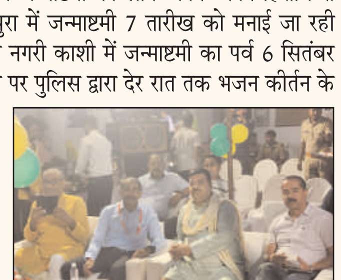

प्रखर वाराणसी। श्री कृष्ण जन्माष्टमी को लोग अपने-अपने हिसाब से मनाय भले ही वृंदावन में मथुरा में जन्माष्टमी 7 तारीख को मनाई जा रही हो लेकिन बाबा भोलेनाथ की नगरी काशी में जन्माष्टमी का पर्व 6 सितंबर को ही मनाया गया।थाना लंका पर पुलिस द्वारा देर रात तक भजन कीर्तन के साथ श्री कृष्ण जन्माष्टमी का महोत्सव मनाया गया। भजन कीर्तन के साथ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए थाना प्रभारी अश्वनी पान्डेय ने आए हुए सभी अतिथियों का भव्य स्वागत भी किया। प्रभारी निरीक्षक के कुशल व्यवहार से बारिश पड़ने के बावजूद भी लोग कृष्णा जन्माष्टमी में शामिल हुए मुख्य अतिथि के रूप डीसीपी काशी जोन आर एस गौतम व एसीपी भेलूपुर प्रवीण सिंह समेत तमाम पुलिस एवं अधिकारी थाना लंका पर उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान थाना लंका को भव्य रूप से सजाया गया था। हजारों भक्तों ने लंका थाना पर भोजन एवं प्रसाद ग्रहण किया।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः
9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः
0548-2223833, +91-8858563779
+91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं